भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति बुरे समय में भी अपनी संवेदनशीलता और आत्मसम्मान नहीं खोता, वही जीवन की सबसे बड़ी परीक्षा में सफल होता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-61 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 20 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

बुरे वक्त की कसौटी पर रिश्तों की पहचान

जीवन के सफ़र में सुख-दु:ख का आना-जाना स्वाभाविक है। जब समय अनुकूल होता है, सफलता कदम चूम रही होती है, तब हमारे चारों ओर लोगों की भीड़ जमा हो जाती है। हर कोई मित्र, शुभचिंतक और हितैषी बनने की होड़ में दिखाई देता है। मुस्कान, तारीफ और अपनत्व के शब्द इतने सहज बहने लगते हैं कि व्यक्ति को लगने लगता है—शायद यही जीवन का स्थायी सच है। लेकिन यह भ्रम अधिक समय तक टिकता नहीं। जैसे ही जीवन में कोई आर्थिक, मानसिक या शारीरिक संकट आता है, वैसे ही वही भीड़ छंटने लगती है। तब पता चलता है कि अच्छे वक्त की चमक में रिश्तों की असलियत छिपी हुई थी। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

प्राय: देखा गया है कि ज़रूरत के समय लोगों के पास बहानों की कोई कमी नहीं होती। 'अभी मेरी हालत ठीक नहीं है', 'मैं खुद परेशान हूं', 'थोड़ा समय दो' जैसे वाक्य रिश्तों के असली चेहरे को उजागर कर देते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस समय व्यक्ति को मदद न मिलने का उतना दुख नहीं होता, जितना उन लोगों की बेरुखी से होता है जिन्हें वह अपना समझता था। संकट की घड़ी में इंसान पहले से ही मानसिक रूप से कमजोर होता है। ऐसे में सहानुभूति, दो शब्द की ढ़ाढ़स और थोड़ा साथ भी बहुत बड़ी राहत बन सकता है, लेकिन जब वही 'अपने' पीठ फेर लें, तो पीड़ा और गहरी हो जाती है।

दुखद विडंबना यह है कि कई बार मदद करने के बजाय लोग व्यक्ति की कमियों को गिनाने लगते हैं। 'तुमने पहले ऐसा किया होता तो आज ये दिन न आते', 'मैंने पहले ही कहा था' जैसे वाक्य घावों पर नमक छिड़कने का काम करते हैं। यह व्यवहार केवल संवेदनहीनता नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों के पतन का संकेत है। संकट के समय किसी को उपदेश नहीं, बल्कि सहारे की जरूरत होती है। लेकिन समाज में सहारा देने वालों की संख्या घटती जा रही है और निर्णय सुनाने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। हालांकि, जीवन का यही कठोर सत्य व्यक्ति को भीतर से मजबूत भी बनाता है। जब अपने ही साथ छोड़ देते हैं, तब इंसान को अपनी आत्मशक्ति का अहसास होता है। वह समझता है कि हर हाथ मिलाने वाला दोस्त नहीं होता और हर मीठी बात करने वाला अपना नहीं होता। बुरा वक्त एक कठोर शिक्षक की तरह हमें यह सिखा देता है कि रिश्ते शब्दों से नहीं, कर्मों से पहचाने जाते हैं। जो व्यक्ति संकट में भी साथ खड़ा रहे, वही वास्तव में अपना होता है; बाकी सब परिस्थितिजन्य परिचित होते हैं।

यह भी सच है कि हर व्यक्ति से हर समय मदद की अपेक्षा करना व्यावहारिक नहीं। हर किसी की अपनी सीमाएं और मजबूरियां होती हैं। लेकिन कम से कम ईमानदारी और संवेदनशीलता तो होनी चाहिए। साफ शब्दों में स्थिति बताना और नैतिक समर्थन देना भी एक प्रकार की मदद ही है। चुपचाप दूरी बना लेना या झूठे बहाने गढ़ लेना रिश्तों में स्थायी दरार पैदा कर देता है। समाज में यह धारणा भी प्रचलित हो गई है कि संकट में फंसा व्यक्ति स्वयं ही जिम्मेदार है। यह सोच न केवल गलत है, बल्कि खतरनाक भी है। जीवन में परिस्थितियाँ किसी पर भी अचानक आ सकती हैं। आज जो सुरक्षित है, कल वही असहाय हो सकता है। इसलिए दूसरों के दुख को देखकर आत्मसंतोष महसूस करने के बजाय करुणा दिखाना ही एक स्वस्थ समाज की पहचान है।

इस पूरे अनुभव से सबसे बड़ा सबक यह है कि हमें दूसरों की प्रतिक्रिया पर अपना आत्मबल निर्भर नहीं करना चाहिए। यदि हम यह अपेक्षा लेकर चलेंगे कि हर कोई हमारे लिए खड़ा होगा, तो निराशा निश्चित है। इसके बजाय हमें खुद को इतना सक्षम और मजबूत बनाना चाहिए कि न किसी के बहानों से हमारा रास्ता रुके और न किसी के तानों से हमारा हौसला टूटे। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और भावनात्मक भी होनी चाहिए। साथ ही, हमें यह भी आत्ममंथन करना चाहिए कि जब कोई और संकट में हो, तो हमारा व्यवहार कैसा रहता है। क्या हम भी बहानों की आड़ लेते हैं, या फिर यथासंभव सहारा देने का प्रयास करते हैं? समाज तभी बेहतर बनेगा, जब हर व्यक्ति अपने स्तर पर संवेदनशीलता और जिम्मेदारी निभाएगा।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि बुरा वक्त रिश्तों को तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि उनकी सच्चाई उजागर करने के लिए आता है। यह हमें सिखाता है कि भीड़ में अकेले कैसे खड़ा होना है और अकेलेपन में अपनी ताकत कैसे पहचाननी है। जो व्यक्ति इस सीख को आत्मसात कर लेता है, वही जीवन की हर चुनौती का सामना आत्मविश्वास और गरिमा के साथ कर पाता है। यही जीवन का यथार्थ है और यही उसकी सबसे बड़ी सीख भी।

नितिन नबीन निर्विरोध भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष

नाम का ऐलान कल, शाह-नड्डा नामांकन में शामिल हुए;

भीम प्रज्ञा न्यूज

नई दिल्ली । भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अब पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष होगें। सोमवार को दिल्ली में पार्टी हेडक्वार्टर में नॉमिनेशन प्रक्रिया की गई। राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा- इस पद के लिए केवल नितिन नबीन का ही नाम प्रस्तावित हुआ है। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन के समर्थन में कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें सभी वैध पाए गए। अब नितिन के नाम का औपचारिक ऐलान 20 जनवरी को किया जाएगा। आज हुई नॉमिनेशन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी समेत सभी राज्यों के सीएम और सीनियर नेताओं ने नितिन के समर्थन में नामांकन पत्र जमा किया था। भाजपा ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

पत्नी बोलीं- पार्टी को हीरे की परख

पिछले 6 महीने में 3 प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए

पिछले 6 महीने में तीन राज्यों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। जुलाई में हेमंत खंडेलवाल को एमपी का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था। उसके बाद दिसंबर में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और सात बार के लोकसभा सांसद पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष चुन गया था। उनके अलावा किसी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। वहीं जनवरी में झारखंड में आदित्य साहू को प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली।

नितिन की पत्नी बोलीं- हीरे की परख जौहरी को ही

नितिन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव ने कहा- केंद्रीय नेतृत्व को पहचान है कि कौन व्यक्ति काम करने में सक्षम, हीरे की परख जौहरी को ही होती है। पार्टी ने हीरा चुनकर निकाल लिया। पार्टी के लिए नितिन ने दिन रात मेहनत की। उनकी मेहनत का फल उन्हें मिल गया।

नितिन की पत्नी बोलीं- हीरे की परख जौहरी को ही

नितिन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव ने कहा- केंद्रीय नेतृत्व को पहचान है कि कौन व्यक्ति काम करने में सक्षम, हीरे की परख जौहरी को ही होती है। पार्टी ने हीरा चुनकर निकाल लिया। पार्टी के लिए नितिन ने दिन रात मेहनत की। उनकी मेहनत का फल उन्हें मिल गया।

जानिए कैसे चुना जाता है अध्यक्ष

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव राष्ट्रीय परिषद करती है, जिसमें लगभग 5,708 सदस्य शामिल हैं। इसमें राष्ट्रीय परिषद और सभी राज्य परिषदों के सदस्य शामिल होते हैं, जो देश के 30 से अधिक राज्यों से आते हैं। लेकिन अगर केवल एक नामांकन होता है, तो मतदान की जरूरत नहीं होगी।

नितिन नबीन सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाजपा में अब तक 11 नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। इनमें लालकृष्ण आडवाणी तीन बार अध्यक्ष बने, जबकि राजनाथ सिंह ने दो बार यह जिम्मेदारी संभाली। नितिन नबीन सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं।

नागरिकों की समस्याओं के निपटारे में कारगर सिद्ध हो रहे समाधान शिविर: एडीसी

एडीसी राहुल मोदी ने समाधान शिविर में सुनीं आमजन की शिकायतें

जादूसाना निवासी कृष्ण कुमार की मौके पर ही बनवाई बुढ़ापा पेंशन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार और डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर आमजन के लिए समस्याओं के निवारण का सुगम और बेहतरीन माध्यम बन रहे हैं। एडीसी राहुल मोदी ने आमजन से आह्वान किया कि वे अपनी शिकायतों को समाधान शिविर में जिला प्रशासन के समक्ष रखें, उनकी शिकायतों का तत्परता से उचित समाधान किया जाएगा। एडीसी राहुल मोदी ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं की सुनवाई की। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने भी विशेष रूप से मौजूद रहकर आमजन की शिकायतें सुनते हुए उनका समाधान करवाया। सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में नंदरामपुर बास की एक बस्ती की कच्ची गली को पक्का करवाने की शिकायत पर एडीसी ने डीडीपीओ को निर्देश दिए कि उचित कार्रवाई करते हुए गली को पक्का करवाया जाए। एडीसी ने गांव बोलनी में पंचायत द्वारा करवाई गई पैमाइश की रिपोर्ट

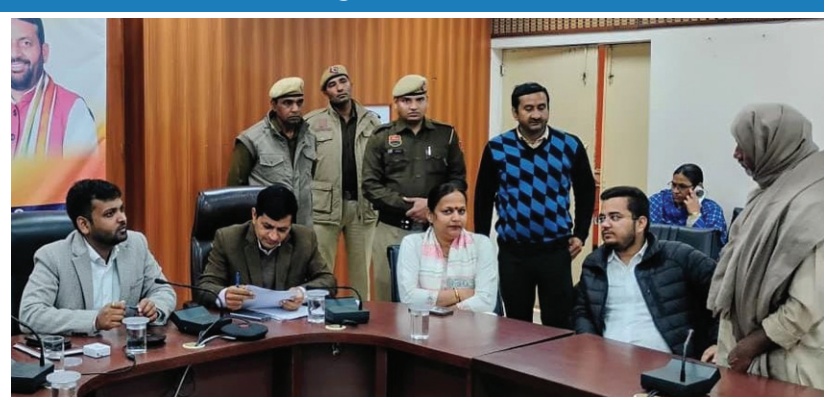

उपलब्ध करवाने के लिए डीआरओ को निर्देश दिए। इसके अलावा पेंशन, परिवार पहचान पत्र, बिजली, प्रॉपर्टी आईडी और पुलिस संबंधित शिकायतों पर भी संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता से निवारण करने के निर्देश दिए। गांव जादूसाना के कृष्ण कुमार की पेंशन बनाने के संबंध में तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर ही कृष्ण कुमार की पेंशन बनवाई गई जिसके लिए कृष्ण कुमार ने जिला प्रशासन की कुशल कार्यशैली पर आभार जताया और समाधान शिविर को जनहितकारी बताते हुए हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित समाधान शिविरों को आमजन मानस के लिए उपयोगी कहा। भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने कहा कि सोमवार और वीरवार को जिला व उपमंडल स्तर पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर काफी कारगर सिद्ध हो रहे हैं। हरियाणा सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए समाधान शिविर से नागरिकों का विश्वास शासन-प्रशासन के प्रति बढ़ रहा है। समाधान शिविर में सभी विभागों से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता से मौके पर ही निवारण किया जा रहा है। इसके लिए सभी विभागों के अधिकारी समाधान शिविर में मौजूद रहकर लोगों की शिकायतों का निवारण करते हैं। इस अवसर पर एसडीएम रेवाड़ी सुरेश कुमार व नगराधीश जितेंद्र कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहें।

डूमोली खुर्द सहकारी समिति के चेयरमैन भूपेन्द्र गुलझारी का पदभार ग्रहण 25 जनवरी को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

नवगठित सहकारी समिति, डूमोली खुर्द के चेयरमैन भूपेन्द्र गुलझारी सरपंच(भूपसिंह) का पदभार ग्रहण समारोह 25 जनवरी 2026, रविवार को प्रात: 11:15 बजे सरपंच निवास (आरपीएल स्कूल) डूमोली खुर्द में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बुहाना के पूर्व प्रधान चौधरी हरपाल सिंह राव करेंगे।विशिष्ट अतिथियों के रूप में बुहाना प्रधान हरिकृष्ण यादव, झुंझुनूं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मानसिंह सहारण, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बुहाना महावीर यादव, पूर्व प्रधान सूरजगढ़ शेरसिंह नेहरा, नगर पालिका सिंघाना के चेयरमैन विजय शर्मा, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष झुंझुनूं शकुंतला यादव, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष झुंझुनूं सुनील झाझड़िया, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राहुल जाखड़, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव नीतू वर्मा तथा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सूरजगढ़ विकास सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। पदभार ग्रहण कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों व सहकारी समिति सदस्यों द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में पहुंचकर नव-निर्वाचित चेयरमैन को शुभकामनाएं देने की अपील की है।

राजस्थान की डोरिस खटाना ने जीता सिल्वर मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना से इम्फाल मे राजस्थान की डोरिस खटाना ने SGFI नेशनल गेम्स में रिकर्व आर्चरी में सिल्वर मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार और कोच ने बधाई दी है। डोरिस की इस उपलब्धि पर उनके कोच सोमेश शर्मा ने कहा, 'डोरिस की मेहनत और समर्पण का फल है यह मेडल। मैं उनके पिता डॉ. आरएस खटाना और परिवार के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हमेशा उनका समर्थन किया।' डोरिस के पिता डॉ. आरएस खटाना ने कहा, 'हम गर्व महसूस कर रहे हैं। डोरिस ने न केवल अपने लिए बल्कि पूरे प्रदेश के लिए यह उपलब्धि हासिल की है।' इस अवसर पर डोरिस के दोस्तों और परिवार के सदस्यों ने भी उन्हें बधाई दी। डोरिस की इस जीत से राजस्थान का नाम देश भर में गौरवान्वित हुआ है।

चिकित्सा विभाग की कार्रवाई : लक्ष्मणगढ में 210 किलो काजू, 330 किलों बेसन किया सीज,

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सोमवार को चिकित्सा विभाग की ओर से क्षेत्र में कार्रवाई की गई। इस दौरान 540 किलोग्राम काजू व बेसन को सीज किया गया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ टी शुभमंगला व सीएमएचओ डॉ अशोक महरिया के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूलसिंह बाजिया, नंदराम मीणा, सुरेश कुमार शर्मा ने लक्ष्मणगढ में खाद्य वस्तुओं

के व्यापारिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। एफएसओ फूल सिंह बाजिया ने बताया कि निरीक्षण के दौरान काजू टुकड़ी का नमूना लिया और 210 किलोग्राम काजू सीज किया गया। वहीं बेसन का नमूना लेकर 330 किलोग्राम चना बेसन सीज किया गया। वहीं रसगुल्ला का सैम्पल लिया गया। सभी तीन सैम्पलों को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला जयपुर भिजवाया गया है। रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। वहीं लक्ष्मणगढ में लगाए गए लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन शिविर में 122 खाद्य लाइसेंस बनाए गए और खाद्य कारोबारकर्ताओं के एफसीसीएआई के नियमों की पालना करने के लिए पाबंद किया गया। साथ ही शहर में मिठाई विक्रेताओं को मिठाई में कलर का प्रयोग एफसीसीएआई के मानकों के अनुसार करने के निर्देश दिए। विभाग की ओर से खाद्य पदार्थो की नियमित जांच की जाएगी।

प्रदूषण स्तर बढ़ने पर ग्रेप- 4 की पाबंदियां लागू: डीसी

प्रदूषण नियंत्रण के लिए ग्रेप-4 के नियमों की सख्ती से पालना जरूरी: डीसी

वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए जनता और विभागों को संयुक्त कार्रवाई का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । डीसी अभिषेक मीणा

ने बताया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में 21 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत ग्रेप के संशोधित शेड्यूल को पूरे दिल्ली-एनसीआर में तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेज गिरावट दर्ज की गई है। उक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, ग्रेप पर उप-समिति द्वारा आयोजित आपात बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप स्टेज-IV ('गंभीर+') के अंतर्गत सभी प्रतिबंधात्मक कार्रवाईयों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए, जो पहले से लागू स्टेज-I, II एवं III के अतिरिक्त होंगी। डीसी ने बताया कि ग्रेप के मौजूदा शेड्यूल के अंतर्गत स्टेज-I, स्टेज-II एवं स्टेज-III की कार्रवाइयां क्रमश:: 14 अक्टूबर 2025, 19 अक्टूबर 2025 एवं 16 जनवरी 2026 के आदेशों के माध्यम से पहले से ही लागू हैं। उन्होंने कहा कि ग्रेप के स्टेज- I, II, III एवं IV के अंतर्गत सभी उपायों को पूरे एनसीआर में संबंधित एजेंसियों द्वारा सख्ती से लागू, मॉनिटर एवं समीक्षा की जाएगी। सभी प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि वे निरंतर निगरानी रखें और उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

डीसी अभिषेक मीणा ने नागरिकों से अपील है कि वे ग्रेप स्टेज-IV के अंतर्गत जारी नागरिक चार्टर का पूर्ण रूप से पालन करें और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में प्रशासन का सहयोग करें। वायु गुणवत्ता की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा आईएमडी, आईआईटीएम के पूर्वानुमानों के आधार पर आवश्यकतानुसार आगे निर्णय लिए जाएंगे।

कहीं जरूरत से ज्यादा मूंगफली तो नहीं खा रहे आप

जानें एक दिन में कितनी खाना सही?

सर्दियों के मौसम में मूंगफली खाना सभी को अच्छा लगता है. गर्म-गर्म मूंगफली सर्दियों में खाने से अलग ही स्वाद मिलता है. जैसे ही ठंड दस्तक देती है, सड़कों और मार्केटों में मूंगफली, गजक और रेवड़ी बिकनी शुरू हो जाती है और लोग बड़ी मात्रा में इसका सेवन करने लगते हैं. मूंगफली हमारे शरीर के लिए फायदेमंद होती है. यह शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करती है, जैसे हार्ट की बीमारियां, हड्डियों की मजबूती और पाचन से जुड़ी दिक्कतें. लेकिन ठंड के मौसम में जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है और शरीर पर हानिकारक असर डालता है.

रोज कितनी मूंगफली खाना सही है?

मूंगफली का सेवन करने से शरीर पर कई सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं. यह हड्डियों की मजबूती से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव में भी मददगार मानी जाती है. हालांकि, ज्यादा मात्रा में मूंगफली खाने से कई तरह की बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है. डॉक्टर्स के अनुसार, हर व्यक्ति को अपने डेली रूटीन और डाइट में सिर्फ एक मुट्ठी मूंगफली ही खानी चाहिए. यानी एक दिन में लगभग 30 से 50 ग्राम मूंगफली का सेवन करना सही माना जाता है. आप चाहें तो इससे भी कम मात्रा, यानी 25 से 30 ग्राम मूंगफली का सेवन कर सकते हैं. इतनी मात्रा में मूंगफली खाने से वजन बढ़ने जैसी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता.

ज्यादा मूंगफली खाने से वजन बढ़ना

अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन करता है, तो उसे वजन बढ़ने जैसी समस्या हो सकती है. मूंगफली में कैलोरी और फैट की मात्रा ज्यादा होती है. अगर आप रोज जरूरत से ज्यादा मूंगफली खाते हैं, तो धीरे-धीरे आपके वजन में बढ़ोतरी हो सकती है.

जोड़ों के दर्द में मूंगफली से बचें

अगर किसी व्यक्ति को जोड़ों का दर्द या हड्डियों से जुड़ी बीमारियां हैं, जैसे आर्थराइटिस या गठिया, तो ऐसे लोगों को मूंगफली का सेवन बहुत कम या बिल्कुल नहीं करना चाहिए. मूंगफली में मौजूद प्रोटीन और यूरिक एसिड जोड़ों के दर्द को बढ़ा सकते हैं.

पाचन से जुड़ी समस्याएं

ज्यादा मात्रा में मूंगफली खाने से पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. अगर आप जरूरत से ज्यादा मूंगफली का सेवन करते हैं, तो गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है.

लीवर पर हानिकारक असर

ज्यादा मात्रा में मूंगफली के सेवन से हमारे लीवर पर हानिकारक असर हो सकता है. इससे लीवर में फैट जमा होने लगता है, जो फैटी लीवर जैसी समस्या का कारण बन सकता है और लीवर की कार्यक्षमता भी कम हो सकती है. इसलिए मूंगफली का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए.

तेज हवा या घने कोहरे में किसान ना करें ये काम, कृषि विभाग ने किया अलर्ट

घने कोहरे की चादर इन दिनों देश के कई हिस्सों पर छाई हुई है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने कई राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है. कोहरे और बढ़ती ठंड ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. विजिबिलिटी घटने से सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो रहे हैं. किसानों पर भी मौसम के बदलाव का असर पड़ सकता है. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने किसानों के लिए कुछ सुझाव शेयर किए हैं.

दवा के छिड़काव से बचें किसान

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किसानों के लिए जानकारी शेयर की है. कृषि विभाग ने बताया कि किसानों को मौसम देखकर दवा का छिड़काव करना चाहिए. तेज हवा या कोहरे के समय दवा का छिड़काव करने से बचना चाहिए. शांत मौसम में दवा के छिड़काव करने से दवा का पूरा असर फसल पर होता है. इससे किसानों का खर्च भी बचता है.

किसानों को मौसम विभाग की साप्ताहिक सलाह देखकर बुवाई का समय तय करना चाहिए. यह नुकसान को कम करने में मदद कर सकता है. बारिश, ठंड की लहर या गर्मी की बढ़ोतरी जैसी परिस्थितियों में सही फैसले लेने से फसल सुरक्षित रहती है. इससे सिंचाई और दवा पर होने वाला अतिरिक्त खर्च भी बचाया जा सकता है.

खेत में लगा है सोलर पैनल तो भूलकर भी ना करें ये गलतियां, होगा भारी नुकसान!

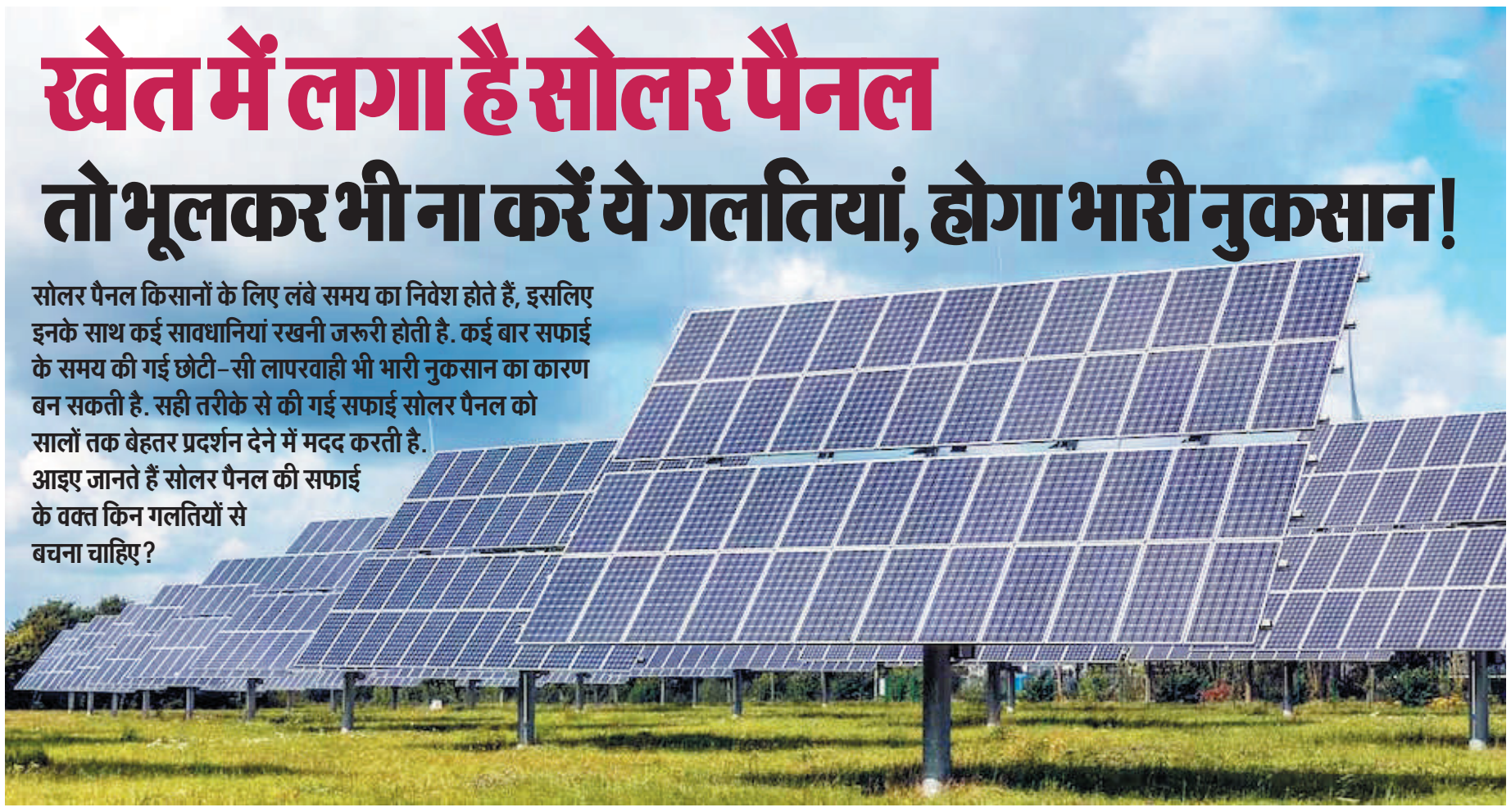

सोलर पैनल किसानों के लिए लंबे समय का निवेश होते हैं, इसलिए इनके साथ कई सावधानियां रखनी जरूरी होती है. कई बार सफाई के समय की गई छोटी-सी लापरवाही भी भारी नुकसान का कारण बन सकती है. सही तरीके से की गई सफाई सोलर पैनल को सालों तक बेहतर प्रदर्शन देने में मदद करती है. आइए जानते हैं सोलर पैनल की सफाई के वक्त किन गलतियों से बचना चाहिए?

खेती में बिजली की बढ़ती मांग और डीजल की ऊंची कीमतों से बचने के लिए किसान तेजी से सोलर पैनल अपना रहे हैं. सिंचाई हो या पंप चलाना, सोलर ऊर्जा आज किसानों के लिए बड़ी राहत बन रही है, लेकिन सोलर पैनल से अधिकतम बिजली पाने के लिए उसकी सफाई नियमित और सही तरीके से करना जरूरी होता है.

सतह पर धूल, मिट्टी, परागकण और पक्षियों की बीट से उत्पादन क्षमता घट सकती है. सफाई के दौरान की गई छोटी-सी गलती भी पैनल को नुकसान पहुंचा सकती है और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है. ऐसे में किसानों को कई गलतियों को करने से बचना चाहिए.

खुरदरे ब्रश का इस्तेमाल करने से बचें

सोलर पैनल की सफाई के लिए झाड़ू, सख्त ब्रश या बोरे के कपड़े जैसी चीजों का इस्तेमाल बिल्कुल न करें. सोलर पैनल की ऊपरी सतह कांच की होती है, जिस पर एक खास कोटिंग लगी होती है. खुरदरी चीजों से सफाई करने पर सतह पर खरोंच पड़ सकती है और इसकी दक्षता स्थायी रूप से कम हो सकती है. सफाई के लिए हमेशा मुलायम कपड़े, स्पंज या माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करना चाहिए.

तेज केमिकल और साबुन का इस्तेमाल न करें

पैनल को चमकाने के लिए डिटर्जेंट, फिनाइल, एसिड या अन्य केमिकल का प्रयोग न करें. यह सोलर पैनल को नुकसान पहुंचा सकता है. केमिकल्स पैनल की कोटिंग को खराब कर सकते हैं, जिससे धूप को सोखने की क्षमता पर असर हो सकता है. सफाई के लिए साफ पानी या बहुत हल्के साबुन का घोल इस्तेमाल किया जा सकता है.

तेज धूप में सफाई न करें

तेज धूप में सोलर पैनल अत्यधिक गर्म हो जाते हैं. ऐसे में पानी डालने से थर्मल शॉक लग सकता है, जिससे कांच चटकने का खतरा रहता है. इसके अलावा गर्म पैनल पर पानी डालने से दाग भी पड़ सकते हैं. सफाई के लिए सुबह या शाम का समय उचित माना जाता है.

बिजली चालू न रखें

सफाई के दौरान सोलर सिस्टम को चालू छोड़ना बेहद खतरनाक हो सकता है. गीले हाथों या पानी के संपर्क में बिजली प्रवाहित होने से करंट लगने का खतरा रहता है. इसलिए सफाई शुरू करने से पहले सोलर सिस्टम को पूरी तरह बंद करना और इन्वर्टर का स्विच ऑफ करना सुरक्षित माना जाता है.

पैनल पर चढ़कर सफाई करने से बचें

खेतों में लगे सोलर पैनल अक्सर ऊंचाई पर या ढांचे पर लगाए जाते हैं. कई लोग सीधे पैनल पर चढ़कर सफाई करने लगते हैं, जिससे पैनल टूटने या ढांचे के कमजोर होने का जोखिम बढ़ सकता है. सुरक्षित सफाई के लिए हमेशा नीचे से काम करें या सीढ़ी की मदद लें.

तेज प्रेशर के पानी से बचें

सोलर पैनल की सफाई करते समय मोटर या पाइप से तेज प्रेशर वाला पानी इस्तेमाल करना नुकसानदायक हो सकता है. इससे पैनल की सीलिंग खराब हो सकती है और पानी अंदर घुस सकता है. सुरक्षित सफाई के लिए हमेशा हल्के प्रेशर से पानी डालना चाहिए.

ठंड-कोहरे में खराब नहीं होगा तुलसी का पौधा, हल्दी का उपाय करेगा कमाल, जानें तरीका

सर्दियों में तुलसी के पौधे की देखभाल चुनौतीपूर्ण होती है. ज्यादा नमी और कम धूप से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं और फंगस लग जाता है. हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटीफंगल है, जो तुलसी के पौधे को फंगस से बचाता है और उसे मजबूत बनाता है. आइए जानते हैं हल्दी के उपाय से कैसे तुलसी के पौधे को हरा-भरा रखा जा सकता है.

तुलसी का पौधा सिर्फ पूजा के लिए नहीं, बल्कि आयुर्वेद में भी एक औषधीय दवा के तौर पर उपयोगी माना जाता है. लगभग हर भारतीय घर में तुलसी का पौधा लगाया जाता है. घने कोहरे और ठंड के मौसम में तुलसी के पौधे की देखभाल करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता है. ज्यादा नमी, कम धूप और ठंडी हवा की वजह से तुलसी के पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं, उन पर फंगस लग जाता है और पौधा मुरझाने लगता है. ऐसे में हल्दी का एक घरेलू नुस्खा तुलसी के पौधे को नया जीवन दे सकता है. हल्दी प्राकृतिक तरीके से फंगस को रोकती है और पौधे को मजबूत बनाती है.

कोहरे में तुलसी को नुकसान क्यों होता है?

कोहरे की वजह से हवा में बहुत नमी रहती है. यह नमी मिट्टी में ज्यादा देर तक रहती है, जिससे जड़ें सड़ सकती हैं. धूप कम मिलने से पौधा ठीक से खाना नहीं बना पाता. साथ ही फंगस लगने से पत्तियों पर सफेद-काले धब्बे पड़ जाते हैं और तना कमजोर हो जाता है.

तुलसी के लिए हल्दी फायदेमंद कैसे है?

हल्दी को प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटीफंगल माना जाता है. हल्दी में करक्यूमिन नाम का तत्व होता है जो प्राकृतिक रूप से बैक्टीरिया और फंगस को मारता है. इससे पौधे की बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है.

हल्दी का सही इस्तेमाल कैसे करें?

तुलसी के लिए हल्दी का प्रयोग बहुत सरल है लेकिन मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है. एक गिलास गुनगुने पानी में एक चुटकी हल्दी मिलाएं. इस पानी को अच्छे से घोल लें ताकि हल्दी नीचे न बैठे. हफ्ते में एक बार इस पानी को तुलसी की जड़ में धीरे-धीरे डालें. ध्यान रखें कि मिट्टी पहले से बहुत ज्यादा गीली न हो. अगर आप चाहें तो सूखी हल्दी का पाउडर भी सीधे इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए एक चुटकी हल्दी पाउडर मिट्टी के ऊपर छिड़कें. फिर हल्के हाथ से मिट्टी को खुरच कर मिला दें. इनमें से कोई भी तरीका नियमित अपनाने से 10-15 दिनों में आपको फर्क दिखने लगेगा. पत्तियां फिर से हरी और चमकदार हो जाएंगी. साथ ही नई पत्तियां भी आएंगी और पौधा मजबूत हो जाएगा.

कुछ और जरूरी टिप्स

तुलसी को ऐसी जगह रखें जहां सुबह की धूप कम से कम 2-3 घंटे मिले.
ज्यादा पानी न डालें. मिट्टी सूखने पर ही पानी दें.
बहुत ठंडी हवा या पाले से बचाने के लिए रात में पौधे को किसी कपड़े से ढक दें.
पीली या खराब पत्तियों को समय पर तोड़कर हटा दें.
इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखेंगे तो सर्दियों में भी तुलसी का पौधा हरा-भरा रहेगा.

दूध के लिए पालें गाय की ये 5 देसी नस्ल, पशुपालकों को मिलेगा बढ़िया मुनाफा

गाय की सही नस्ल का पालन करने से पशुपालकों को कई तरह के फायदे मिलते हैं. सही नस्ल न केवल बेहतर और पौष्टिक दूध उत्पादन करती है, बल्कि किसानों को अधिक मुनाफा कमाने में भी मदद करती है. पशुपालक अपनी जरूरत के अनुसार बेस्ट नस्ल चुन सकते हैं. आइए जानते हैं भारत की 5 खास देसी गायों की नस्लों के बारे में, जिनका पालन करके आपको लाभ मिल सकता है.

भारत में गायों की कई देसी नस्लें पाई जाती हैं, जिनकी अपनी-अपनी विशेषताएं होती हैं. पशुपालक अपनी जरूरत और क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुसार इन नस्लों का पालन कर सकते हैं और इनसे भरपूर लाभ कमा सकते हैं. सही नस्ल की गाय चयन न केवल दूध उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि पशुपालक को आर्थिक रूप से मजबूत भी बना सकता है. पशुपालक गाय की खास नस्लों की जानकारी रखकर उनका पालन करें, तो उन्हें बेहतर गुणवत्ता वाला दूध, अधिक मात्रा में उत्पादन, और लंबे समय तक फायदे मिल सकते हैं. पशुपालन और डेयरी विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मालवी गाय

भारत की एक स्वदेशी नस्ल है, जिसका नाम इसके मूल क्षेत्र मालवा (मध्य प्रदेश) से जुड़ा है. यह खास गाय मजबूत शरीर और उचित दूध उत्पादन जैसी खूबियों के कारण भारतीय पशुपालन में अपनी खास पहचान रखती है.

थारपारकर गाय

थारपारकर गाय भारत की एक प्रमुख देसी नस्ल है, जिसका मूल क्षेत्र राजस्थान का थर मरुस्थल माना जाता है. यह नस्ल कठोर जलवायु में भी आसानी से ढल जाती है और अपनी मजबूत रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्रसिद्ध है. इस गाय का रंग सफेद से हल्का स्लेटी होता है. यह न केवल उच्च गुणवत्ता वाला दूध देती है बल्कि कृषि कार्यों में भी उपयोगी साबित हो सकती है. थारपारकर गाय संतुलित देखभाल और सही पोषण मिलने पर पर्याप्त मात्रा में बेहतर दूध देती है. इससे पशुपालकों की आय बढ़ने में मदद मिलती है.

गिर गाय

गिर गाय भारत की सबसे मशहूर देसी दुग्ध नस्लों में से एक है. इसका मूल क्षेत्र गुजरात के गिर जंगल और आसपास का इलाका माना जाता है. यह नस्ल खास तौर पर ज्यादा दूध देने के लिए जानी जाती है और लंबे समय से भारतीय खेती और पशुपालन में अहम भूमिका निभाती रही है. गिर गाय का शरीर मजबूत होता है और इसका रंग लाल-भूरा होता है. यह गाय कम चारे में भी अच्छा दूध देने की क्षमता रखती है. यह गाय एक दिन में लगभग 50 लीटर तक दूध दे सकती है.

देओनी गाय

देओनी गाय, भारत की एक मजबूत देसी नस्ल है. यह मुख्य रूप से महाराष्ट्र में पाई जाती है. ये नस्ल कम देखभाल में भी अच्छा दूध उत्पादन करती है और अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता के लिए जानी जाती है. देओनी गाय का दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो आपके परिवार की सेहत को बेहतर बना सकता है और साथ ही किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करता है. छोटे और मध्यम स्तर के किसानों के लिए यह नस्ल भरोसेमंद और लाभकारी साबित हो सकती है. यह गाय सालाना लगभग 1500 लीटर तक दूध उत्पादन कर सकती है.

साहीवाल गाय

साहीवाल गाय भारत की मशहूर देसी नस्लों में से एक है. इस गाय का रंग लाल-भूरा से गहरे भूरा होता है. यह नस्ल ज्यादा दूध देने के लिए जानी जाती है। साहीवाल गाय गर्म मौसम को आसानी से सह लेती है. इस गाय में परजीवियों से लड़ने की क्षमता होती है. इसका स्वभाव भी शांत माना जाता है. इसलिए इसे पालना आसान बन सकता है. यह गाय पशुपालकों के लिए बेहतर मानी जाती है.

टोहाना की जाखल पुलिस की सतर्कता: गणतंत्र दिवस को लेकर होटल परिसरों में सघन चेकिंग अभियान

होटल पंचतारा, सैफरन व ड्रीम होटल में सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा, आगंतुकों के रिकॉर्ड व सीसीटीवी की जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना जाखल पुलिस द्वारा आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मद्देनज़र थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस क्रम में जाखल क्षेत्र में स्थित होटल पंचतारा, होटल सैफरन एवं ड्रीम होटल को पुलिस टीम द्वारा चैक किया गया।अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा मानकों की अनुपालना सुनिश्चित करना तथा किसी भी संभावित अवांछनीय गतिविधि को समय रहते रोका जाना रहा। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि चेकिंग के दौरान होटलों में ठहरने वाले आगंतुकों के पहचान संबंधी रिकॉर्ड, रजिस्टर, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता तथा प्रवेश-निकास व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया गया। होटल प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि बिना पहचान सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को ठहराने से बचें और संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। इसके अतिरिक्त अग्नि सुरक्षा उपकरणों एवं आपातकालीन व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। उपनिरीक्षक सुरेश ने आगे बताया कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व के दौरान भीड़भाड़ वाले स्थानों, होटलों एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीम द्वारा होटल स्टाफ से संवाद कर उन्हें सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया तथा सहयोग की अपील की गई। चेकिंग के दौरान सभी होटल प्रबंधन द्वारा पुलिस को पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। अंत में थाना जाखल पुलिस ने आमजन से अपील की कि राष्ट्रीय पर्व के दौरान किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। जिला पुलिस पूरी सतर्कता के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली पुलिस इंस्पेक्टर धर्मपाल यादव: 40 वर्षों की सेवा के बाद भी समाजसेवा की मिसाल

सेवाकाल और सेवानिवृत्ति के बाद सात गांवों में पौधारोपण, पीपल विवाह, अभिनंदन समारोह और पोती जन्मोत्सव पर प्रतिभोज के जरिए समानता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

पुहानिया निवासी धर्मपाल यादव ने दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर पद पर रहते हुए 40 वर्षों की दीर्घ, कर्तव्यनिष्ठ और अनुशासित सेवा पूरी की। 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनका सामाजिक सरोकार सक्रिय बना हुआ है। सेवाकाल के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने समाज, पर्यावरण और संस्कारों से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया है। धर्मपाल यादव द्वारा अपने सेवाकाल एवं सेवानिवृत्ति के बाद पुहानिया, चितोसा, जयमल का बास, सातड़ीया, पचेरी और गूति सहित कुल सात गांवों के मोक्षधाम, आश्रम एवं खेल मैदानों में पीपल सहित विभिन्न प्रजातियों के छायादार पौधे लगाए गए। यह पहल क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। लगाए गए वृक्ष आज सार्वजनिक स्थलों पर छाया और हरियाली प्रदान कर रहे हैं। इसी क्रम में 16 जनवरी को पीपल के वृक्ष की विद्वान पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजा एवं विवाह संस्कार संपन्न कराया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना से जोड़ने का संदेश दिया गया। 17 जनवरी को धर्मपाल यादव की सेवा निवृत्ति के उपलक्ष्य में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इसी दिन उनके यहां पोती के जन्म के अवसर पर नामकरण संस्कार भी संपन्न हुआ। इस अवसर को उन्होंने केवल पारिवारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए समाज के साथ साझा किया। पोती के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में धर्मपाल यादव द्वारा पुहानिया, चितोसा, जयमल का बास, सातड़ीया, पचेरी और गुती सहित सभी सात गांवों के लिए दो दिवसीय प्रतिभोज का आयोजन किया गया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बेटा और बेटी में कोई भेद नहीं है तथा पोती का जन्म भी समान सम्मान और उत्सव का विषय है।ग्रामीणों के अनुसार धर्मपाल यादव ने अपने आचरण से यह सिद्ध किया है कि सेवा केवल नौकरी तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज के प्रति निरंतर जिम्मेदारी निभाना ही वास्तविक सेवा है। सेवाकाल एवं सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके द्वारा किए जा रहे सामाजिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक कार्य क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। पूरा आयोजन सामाजिक समरसता, समानता और आपसी भाईचारे का उदाहरण बनकर सामने आया।

GSSS दौलतपुरा में SMC/SDMC दो दिवसीय प्रशिक्षण का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बूंदी।

विष्णु प्रसाद बैरवा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौलतपुरा में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति/विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में केआरपी प्रीतम शर्मा एवं केआरपी अमर सिंह बैरवा द्वारा सहभागियों को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्णा कुमारी गुप्ता ने की। प्रथम दिवस के प्रशिक्षण में सरपंच प्रतिनिधि रामसिंह मीणा, जिला परिषद सदस्य हेतराम मीणा, एसएमसी अध्यक्ष मनीराम मीणा (अधीनस्थ), संस्था प्रधान अनामिका शर्मा, विद्या देवी मीणा, महावीर प्रसाद मीणा, रानू सोनी, रमेश चंद्र मीणा, रश्मि बाई मीणा, शिक्षक मिंटू कुमार सहित प्रत्येक विद्यालय से 6-6 सदस्य (एक जनप्रतिनिधि एवं एक छात्र सदस्य सहित) उपस्थित रहें। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से 11:30 बजे तक किया गया, जिसमें पंजीयन, प्रार्थना एवं प्रेरणादायक गीत, परिचय सत्र तथा सहजता एवं सहभागिता बढ़ाने वाली गतिविधियाँ संपन्न हुईं। द्वितीय सत्र में समुदायिक गतिशीलता की अवधारणा, नामांकन, ठहराव एवं उपस्थिति, समुदायिक जागरूकता, साथ ही शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एवं राज्य नियम 2011 के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। तृतीय सत्र में अभिभावक-शिक्षक संवाद, बाल संरक्षण एवं जेंडर संवेदनशीलता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवादात्मक प्रशिक्षण दिया गया। चतुर्थ सत्र में 'हमारा अपना विद्यालय', स्वच्छ विद्यालय अभियान तथा एक प्रभावी एवं सशक्त एसएमसी के संकेतक बिंदुओं पर दोनों केआरपी द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि एवं जिला परिषद सदस्य ने एसडीआरएफ के अंतर्गत संचालित कार्यों को गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ पूर्ण कराने पर बल दिया। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस के माध्यम से विद्यालय विकास में सामुदायिक सहभागिता की भूमिका को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

पिलानी को बिजली संकट से मिलेगी राहत : आशाना जोहड़ में 5 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा नया पावर हाउस

भाजपा नेता राजेश दहिया के प्रयासों से मुख्यमंत्री ने जारी की वित्तीय स्वीकृति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

क्षेत्र की बिजली समस्या के स्थाई समाधान की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पिलानी विधानसभा विधायक प्रत्याशी राजेश दहिया के विशेष प्रयासों के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिलानी के आशाना जोहड़ में नए पावर हाउस के निर्माण के लिए 4 करोड़ 92 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है। विधायक प्रत्याशी राजेश दहिया ने बताया कि मुख्यमंत्री के मांडूला दौरे के समय उन्होंने पिलानी क्षेत्र में व्याप्त बिजली की किल्लत का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने क्षेत्र की जनता की सुविधा के लिए एक नए पावर हाउस की मांग रखी थी, जिसे स्वीकार करते हुए सरकार ने अब बजट आवंटित कर दिया है।

दहिया ने कहा कि पिलानी क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं और डबल इंजन सरकार की यह गति भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और बिजली मंत्री हीरालाल नागर का आभार जताया। आशाना जोहड़ में नया पावर हाउस बनने से पिलानी और आसपास के फीडरों पर भार कम होगा, जिससे अघोषित बिजली कटौती और लो-वोल्टेज जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी। सरकार के इस निर्णय से स्थानीय निवासियों और व्यापारियों में खुशी की लहर है।

संगठन में ही शक्ति, किसान सजग रहकर फसल खराबे का वास्तविक आंकलन करवाएं- डॉ. पवन चौधरी

भारतीय किसान संघ की जिला बैठक संपन्न; राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम भरोसे बसोतिया ने दिया मार्गदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

शहर के आहुति भवन में सोमवार को भारतीय किसान संघ की जिला बैठक जिला अध्यक्ष डॉ. पवन चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष राम भरोसे बसोतिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की रीति-नीति और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कलयुग में संगठन ही सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से निरंतर किसानों के संपर्क में रहने और ईमानदारी से कर्म करने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष डॉ. पवन चौधरी ने शीतलहर से फसलों को हो रहे नुकसान पर चिंता जताई। उन्होंने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि बीमा कंपनियों के कर्मचारी अक्सर सरकार से मिलीभगत कर सही आंकलन के बजाय मनमानी रिपोर्ट तैयार करते हैं। डॉ. चौधरी ने अपील की कि किसान स्वयं जागरूक रहकर कृषि अधिकारियों और पटवारियों को मौके पर बुलाएं और नुकसान की वास्तविक रिपोर्ट तैयार करवाएं, ताकि बीमा का लाभ कागजों तक सीमित न रहें। प्रांत संगठन मंत्री नीरज कुमार ने गांवों में ग्राम समितियों के माध्यम से स्थानीय समस्याओं के समाधान पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि 4 मार्च 1979 को स्थापित भारतीय किसान संघ आज 45 लाख सदस्यों के साथ देश का सबसे बड़ा किसान संगठन है। संगठन का मुख्य उद्देश्य गोवंश आधारित व पर्यावरण स्नेही कृषि को बढ़ावा देना और ग्राम स्तर पर लघु उद्योगों के माध्यम से किसानों को स्वावलंबी बनाना है।

बैठक के अंत में डॉ. पवन चौधरी ने उपस्थित किसानों और पदाधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। सभी ने इस वर्ष 11 पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने और स्वयं को प्लास्टिक मुक्त रखने की शपथ ली। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता और भगवान बलराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व ध्वजारोहण से हुई। बैठक में संभाग अध्यक्ष किशोर सिंह निठारवाल, संभाग उपाध्यक्ष बलबीर सिंह चुडैला, संभाग मंत्री मोती सिंह, जिला उपाध्यक्ष सुभाष सांईपंवार, युवा प्रमुख नरेन्द्र औलखा, बिसाऊ तहसील अध्यक्ष सुरेश चौधरी, पिलानी अध्यक्ष मोहर सिंह बलवदा, गुढ़ा गोरजी अध्यक्ष बाल गंगाधर बराला, बुहाना अध्यक्ष रघुवीर सिंह सहित महावीर सिंह चाहर, सुनील गुजर, अमर सिंह, कंवर सिंह, केहर सिंह, शुभ राम, किशनलाल, माडुराम कुलहरी और चंद्र भान जैसे सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रथम रोवर-रेंजर राष्ट्रीय जंबूरी में राजस्थान ने रचा इतिहास, नेशनल कमिश्नर शील्ड व फ्लैग जीतकर देश में प्रथम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में 9 से 13 जनवरी 2026 तक दूधली, जिला बालोद (छत्तीसगढ़) में आयोजित प्रथम रोवर-रेंजर राष्ट्रीय जंबूरी में राजस्थान प्रदेश ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए नेशनल कमिश्नर शील्ड एवं फ्लैग जीतकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस राष्ट्रीय जंबूरी में देश के 35 राज्यों व रेलवे मंडलों से करीब 15 हजार रोवर्स-रेंजर्स ने भाग लिया। राजस्थान प्रदेश से कुल 980 सदस्य (560 रोवर व 420 रेंजर) शामिल हुए, जिनमें झुंझुनूं जिले से 41 सदस्यीय दल ने सहभागिता की। झुंझुनूं से आरकेजेके बरासिया पीजी कॉलेज सूरजगढ़, कानोडिया कॉलेज मुकुंदगढ़, मोरारका कॉलेज झुंझुनूं, पोद्दार कॉलेज नवलगढ़, मरुधर ओपन रोवर क्रू झुंझुनूं एवं बाबा रामदेव ओपन रोवर क्रू नवलगढ़ के 24 रोवर्स, 8 रेंजर्स व 4 लीडर्स रौनक वर्मा, कविराज, महेंद्र सैनी व संजू शामिल रहे। साथ ही प्रहलाद राय जांगिड़, विक्रम सिंह, सौरव केडिया व जितेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय दल में सहयोग किया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। एडवेंचर से लेकर सांस्कृतिक गतिविधियों में दबदबा रहा है। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि जंबूरी के दौरान मार्च पास्ट, कलर पार्टी, स्टेट स्काउट गेट, राज्य प्रदर्शनी, लोक नृत्य, एथेनिक शो, ग्लोबल डेवलपमेंट विलेज, कैंप क्राफ्ट, कैंप फायर, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, बैंड प्रदर्शन, बैकवुड्समैन कुकिंग, गाइड गेट सहित कुल 16 प्रमुख गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें राजस्थान ने 14 गतिविधियों में 'ए' ग्रेड तथा 2 गतिविधियों में 'बी' ग्रेड प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्रथम स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि में झुंझुनूं जिले के रोवर्स व रेंजर्स की विशेष भूमिका रही।

उपलब्धि पर जिले में हर्ष, दी गई बधाइयां

राजस्थान के प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, एडीएम अजय कुमार आर्य, सीडीईओ अशोक शर्मा, डीईओ राजेश मील, जिला स्काउट अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा, डीईओ सुशीला महला, एसीबीईओ सुनीता यादव, प्रधानाचार्य अशोक पूनिया, डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग कमिश्नर चिरंजी लाल शर्मा सहित अनेक शिक्षाविदों, स्काउट पदाधिकारियों व समाजसेवियों ने दल को शुभकामनाएं व बधाइयां प्रेषित कीं।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया युवाओं का उत्साहवर्धन

जंबूरी में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव तथा शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव (अध्यक्ष, भारत स्काउट गाइड छत्तीसगढ़) ने युवाओं को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर व विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव व शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने राजस्थान के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त पूरन सिंह शेखावत, स्टेट ट्रेनिंग कमिश्नर बन्नालाल व सुयश लोढ़ा को नेशनल कमिश्नर शील्ड व फ्लैग प्रदान कर सम्मानित किया।

नगरपालिका चिड़ावा को मिला नया अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार की नियुक्ति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रशासनिक कारणों से दिनेश कुमार को नगरपालिका चिड़ावा के अधिशासी अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है। यह पदस्थापन तत्काल प्रभाव से किया गया है। इससे पूर्व दिनेश कुमार अधिशासी अधिकारी (चतुर्थ) के पद पर रहते हुए निदेशालय में हाल आदेशों की प्रतीक्षा में पदस्थ थे। आदेश में निर्देश दिए गए हैं कि दिनेश कुमार अपने नवपदस्थापन स्थल पर शीघ्र कार्यग्रहण कर उसकी पालना रिपोर्ट विभाग को अविलंब भेजें। यह आदेश सक्षम स्तर से अनुमोदित बताया गया है। इस संबंध में आदेश की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर झुंझुनूं, संबंधित अधिकारियों एवं नगरपालिका चिड़ावा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजी गई है। साथ ही विभागीय वेबसाइट पर आदेश अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि मनाई गई पुष्प अर्पित कर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । फतेहपुर स्टैंड के पास स्थित गोयनका चौक मंडावा में आज महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पुष्प अर्पित कर मनाई गई । इस मौके पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के तहसील उपाध्यक्ष दिलराज ने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि हमे महापुरुषों के विचारों का अनुशरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। हमेशा हर महापुरुषों की जयंती त्यौहार के रूप में मनानी चाहिए। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप मातृभूमि की रक्षा के लिए घास की रोटियां खाना स्वीकार किया, लेकिन स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया। इस अवसर पर मंडावा लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के तहसील उपाध्यक्ष दिलराज सिंह, योगी मोहन नाथ योगी सीताराम सैनी विष्णु सिंह शेखावत, राहुल सैनी, सुमित सैनी, हेमन्त सैनी, प्रदीप तूनवाल,बिजू देवड़ा, आशीष कुमार युनुस राकेश कुमार, विजेन्द्र सैनी, बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मनरेगा बचाओ संग्राम: अमित ओला के नेतृत्व में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के गांवों में विरोध प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान के तहत कांग्रेस नेता एवं विधायक प्रत्याशी अमित ओला के नेतृत्व में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किए गए। इस दौरान ग्राम पंचायत बाकरा, बास नानग, देरवाला और बगड़ में ग्रामीणों के साथ मिलकर सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की गई।प्रदर्शन के दौरान अमित ओला ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण मनरेगा योजना कमजोर होती जा रही है और मजदूरों के अधिकारों पर लगातार चोट की जा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को समय पर काम और पूरा भुगतान नहीं मिल पा रहा, जिससे गरीब व श्रमिक वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। ओला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी और जब तक मजदूरों को उनका हक नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, जिन्होंने मनरेगा को मजबूत करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की।

शैक्षणिक भ्रमण: विद्यार्थियों ने जाना बीकानेर का गौरवशाली इतिहास और कला संस्कृति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा।

सोहनलाल परिहार । स्थानीय राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय कुचोर अगुनी के विद्यार्थियों के लिए रविवार का दिन ज्ञान और मनोरंजन से भरपूर रहा। विद्यालय द्वारा बीकानेर के विभिन्न पर्यटन स्थलों का एक दिवसीय शैक्षणिक टूर आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने ऐतिहासिक विरासत से लेकर आधुनिक कला दीर्घाओं का अवलोकन किया।

ऐतिहासिक विरासत और अस्त्र-शस्त्रों का परिचय

विद्यालय के प्राचार्य सत्यनारायण गोयल ने बताया कि भ्रमण की शुरुआत प्रसिद्ध जूनागढ़ किले से हुई। यहाँ विद्यार्थियों ने बीकानेर के राजा-महाराजाओं के गौरवशाली इतिहास को समझा। साथ ही, किले के संग्रहालय में रखे प्राचीन अस्त्र-शस्त्रों और वास्तुकला की बारीकियों की जानकारी प्राप्त की।

'आजु गुजा' कार्यक्रम में बिखरे प्रतिभा के रंग

इसके पश्चात विद्यार्थी करणी सिंह स्टेडियम पहुँचे, जहाँ बीकानेर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित 'आजु गुजा' कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया जिसमें पेंटिंग और हस्तकला, म्यूजिकल परफॉर्मेंस और पपेट शो, साइंस एक्टिविटीज और मैजिक शो, स्टोरी टेलिंग सत्र, श्रद्धा और अनुसंधान का संगम, भ्रमण के अगले चरण में विद्यार्थियों ने जयपुर रोड स्थित वैष्णो धाम मंदिर में दर्शन किए। वापसी के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र ले जाया गया। यहाँ छात्रों ने ऊँटों की विभिन्न नस्लों के बारे में जाना, ऊँटनी के दूध से बने खाद्य पदार्थों का स्वाद चखा, ऊँट के बालों से बने कंबल, वस्त्र और ऊँट की हड्डियों से निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी देखी।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस शैक्षणिक टूर को सफल बनाने में विद्यालय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। भ्रमण के दौरान पूनम चन्द मेघवाल, राकेश बेनीवाल, श्रवण बिश्नोई, विनोद ढाका, इंद्रा रिंटोड़, मनोहर सिंह भाटी, हरिराम मेघवाल और ईश्वरराम तरड़ सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहें।

खारनाडा मोहल्ला में 32वीं डॉ. अंबेडकर मेघवाल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ, पहले दिन दो रोमांचक मुकाबले

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । खारनाडा मोहल्ला में मेघवाल समाज की खेल प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित 32वीं डॉ. बी.आर. अंबेडकर मेघवाल क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन मनोज श्रीदेव द्वारा लगातार 32 वर्षों से किया जा रहा है, जिसमें समाज के सैकड़ों खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि रवि शेखर मेघवाल ने बल्ले से गेंद खेलकर किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अतिथि के रूप में राजकुमार पन्नू कस्टमर अधिकारी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान मेघवाल समाज (बीकानेर) के उपाध्यक्ष मगनलाल पंवार उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मगनलाल पंवार ने ही 32 वर्ष पूर्व बीकानेर में समाज का पहला क्रिकेट टूर्नामेंट प्रारंभ करवाया था।

मगनलाल पंवार ने सांझा की 32 साल पुरानी यादें

पहले दिन खेले गए दो मुकाबले

उद्घाटन दिवस पर दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में सर्वोदय बस्ती क्लब और बीएसटीसी टीम के बीच मुकाबला हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए बीएसटीसी टीम ने 131 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वोदय बस्ती क्लब ने 134 रन बनाकर मैच जीत लिया। शानदार प्रदर्शन के लिए सतपाल सोलंकी को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। दूसरे मुकाबले में बाबा रामदेव क्लब बीनासर और अंबेडकर क्लब यूथ की टीमें आमने-सामने रहीं, जिसमें बाबा रामदेव क्लब बीनासर ने जीत दर्ज की। इस मैच में बेहतरीन खेल के लिए लकी पन्नू को 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया।

युवाओं को खेल से जोड़ने की पहल

आयोजक मनोज श्रीदेव ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज की युवा पीढ़ी को खेलों के माध्यम से सकारात्मक दिशा देना और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है। उद्घाटन समारोह में बीकानेर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता की सराहना की।

अंबेडकर विचार मंच ने असिस्टेंट प्रोफेसर बने दिव्य विकास का किया सम्मान, युवाओं के लिए बने प्रेरणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बगड़(झुंझुनूं)।

अंबेडकर सर्किल जाटावास में अंबेडकर विचार मंच बगड़ के तत्वावधान में भूगोल विषय में असिस्टेंट प्रोफेसर चयनित होने पर दिव्य विकास का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पशुपालन विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. जगदीश बरवड़ ने की। सर्वप्रथम संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।इसके बाद दिव्य विकास को माला व साफा पहनाकर प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा अंत में मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के उपनिदेशक शिवरतन गहनोलिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सतवीर बरवड़, एईएन रामप्रताप बरवड़, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा, पूर्व व्याख्याता करणीराम बरवड़, पूर्व सरपंच बनवारी लाल गोठवाल, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष रामलाल चंदेलिया, पार्षद शुभकरण बरवड़ सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व समाजजन उपस्थित रहे।

पहली ही कोशिश में 121वीं रैंक, बिना कोचिंग हासिल की सफलता

भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने बताया कि बगड़ कस्बे के दिव्य विकास ने भूगोल असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में पहली ही कोशिश में 121वीं रैंक प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नौकरी, परिवार और सीमित संसाधनों के बावजूद बिना कोचिंग यह सफलता हजारों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

नौकरी के साथ पढ़ाई जारी रखी, लक्ष्य से नहीं भटके

दिव्य विकास वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं और कई वर्षों से शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे सोशल मीडिया से दूरी बनाकर सीमित मोबाइल उपयोग करते थे और अध्यापन के साथ-साथ निरंतर अध्ययन करते रहे। नौकरी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद उन्होंने कभी पढ़ाई नहीं छोड़ी।

शिक्षित परिवार से मिला मजबूत संबल

दिव्य विकास के पिता करणीराम बरवड़ सेवानिवृत्त व्याख्याता हैं, माता परमेश्वरी देवी गृहणी हैं तथा भाई निशांत बरवड़ चिकित्सक के पद पर कार्यरत हैं। परिवार के सहयोग और स्वयं की बनाई रणनीति व कड़ी मेहनत को उन्होंने अपनी सफलता का प्रमुख कारण बताया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि दिव्य विकास की सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों में भी दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

मेहरादासी विद्यालय में राजस्थान शिक्षक संघ द्वारा मनाया कर्तव्य बोध दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मेहरादासी में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) द्वारा कर्तव्य बोध दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के मंडावा उपशाखा अध्यक्ष मूलसिंह शेखावत थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्रधानाचार्य बबीता ने की।

विशिष्ट अतिथि रामगोपाल जांगिड़ और सुभाषचंद्र थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मूलसिंह शेखावत ने स्वामी विवेकानंद और सुभाष चंद बोस के जीवन पर प्रकाश डाला, राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) सम्पूर्ण राजस्थान में ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम बारह जनवरी से तेईस जनवरी तक कर्तव्य बोध दिवस के रूप में मना रहा है। कार्यक्रम के दौरान रमेशकुमार, सूरेश कुल्हरि, मुनेश, सरोज देवी, रुचि कुमारी , गोवर्धन डुडी उपस्थित रहें।

प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंड़ावा।

पवन कुमार शर्मा । समाजसेवी संस्थान श्री गांधी जनकल्याण समिति मंडावा की ओर से मंगलवार को सम्मान समारोह आयोजित होगा। सोमवार को राजस्थान पब्लिक स्कूल में हुई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में करीब दौ सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया। 20 जनवरी मंगलवार को दोपहर सवा एक बजे बिसाऊ चौराहे स्थित राजस्थान पब्लिक स्कूल में आयोजित श्रमिक नेता स्वर्गीय किशनलाल लाहोरा की 26 वीं पुण्य तिथि पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम के दौरान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा में अव्वल रहे टॉप टेन विद्यार्थियों को माला पहना कर व नगद राशि व पाठ्य सामग्री भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक कैलाश लाहोरा, वरिष्ठ पत्रकार सूर्यप्रकाश लाहोरा ने बताया की विद्यार्थी अर्पित कुलहरी, साक्षी सुनिया, प्रिंस मुण्ड, अफसरा, रामलाल, टीना जांगिड़, दक्ष बलवीर, प्रियल तथा प्रियाशी सैनी आदि विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर बजरंग दल की मीटिंग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शिशु वाटिका सभागार में की गई हिंदू सम्मेलन को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई । इस अवसर पर मोहन सिंह शेखावत ने बजरंग दल की कार्यकारिणी का विस्तार किया। इस दौरान महेंद्र सैनी, तरुण सैनी बजरंग दल तहसील संयोजक रण सिंह ,नगर संयोजक सुनील सैनी,तहसील सह संयोजक रोहित सैनी,योगेश सिंह शेखावत, सुनिल कुमार चेजारा, गोरू स्वामी, गजेंद्र गुर्जर, सुभाष सैनी हिमांशु कुमावत, जीतू सैनी, कानू सैनी,अंकित हिंदू अमित सोनी, मयंक सैनी आलोक सैनी, अनिल विनेश नायक, सुनील हिंदू सुमित आदि को जिम्मेदारी दी गई।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीदसर में बच्चों को जूते जुराब और कोट वितरित किए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

निकटवर्ती ग्राम बीदसर में भामाशाहों स्वर्गीय रामलाल व नाथाराम गढ़वाल के सुपुत्रों व कांग्रेस जिला महासचिव बर्मन सिहाग के सहयोग से सभी विद्यार्थियों को जूते, जुराब तथा कोट वितरित किए गए।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कांग्रेस महासचिव बर्मन सिहाग, राजेंद्र गढ़वाल सरपंच प्रतिनिधि, रामावतार रॉयल, बृजमोहन गढ़वाल, सुल्तान सिंह , कैप्टेन जवाहर पूनिया, भंवरलाल खीचड़ व ग्रामवासी, अभिभावक और विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।संस्था प्रधान डॉ राजकुमार ने संस्था परिवार की ओर से दानदाताओं व ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

मंडावर में कांग्रेस शक्ति प्रदर्शन; डोटासरा-जूली के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब, कांग्रेस जिंदाबाद के गूंजे नारे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के दिल्ली से करौली जाते समय मंडावर पहुंचने पर कांग्रेस संगठन की ताकत और जमीनी पकड़ का नजारा देखने को मिला। मंडावर ब्लॉक के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भूड़ा मोड़ पर ऐतिहासिक और भव्य स्वागत कर पूरे क्षेत्र को कांग्रेसमय बना दिया। सैकड़ों की संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं के जोश और नारों से माहौल पूरी तरह राजनीतिक ऊर्जा से भर उठा। जैसे ही डोटासरा का काफिला भूड़ा मोड़ पहुंचा, वहां पहले से मौजूद कांग्रेस के पूर्व जिला परिषद सदस्य रोशन हवलदार और जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष हरिकिशन लोठा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने 'गोविंद डोटासरा जिंदाबाद' और 'कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद' के नारों के साथ गर्मजोशी से अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को पुष्पमालाएं पहनाईं, पारंपरिक साफा बांधकर सम्मानित किया और ढोल-नगाड़ों की थाप पर उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस दौरान आतिशबाजी भी की गई, जिससे भूड़ा मोड़ पर उत्सव जैसा माहौल बन गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डोटासरा ने कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ताओं का यह विश्वास, समर्पण और जोश है, यही शक्ति आने वाले समय में कांग्रेस को और मजबूत करेगी। उन्होंने सभी को एकजुट होकर जनहित के मुद्दों पर संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

इसके बाद काफिला महवा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला के निज निवास रामकुटीर उकरूंद पहुंचा, जहां सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने माला, साफा और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भेंट कर डोटासरा और जूली का सम्मान किया। स्वागत कार्यक्रम के उपरांत प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा का काफिला करौली के लिए रवाना हुआ। इस दौरान रामेश्वर पंडित हिंगोटा, तारा पुजारी मंडावर, राम बनावड़, ललित उप सरपंच गढ़ हिम्मतसिंह, रामकिशन पीटीआई, आदित्य, महवा विधानसभा प्रभारी देशराज पहाड़िया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महवा अध्यक्ष दिनेश पाटोली, मंडावर अध्यक्ष रामहरि मीना, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मनी समलेटी, एनएसयूआई अध्यक्ष लाजपत तंवर, सेवादल अध्यक्ष गबरूद्दीन समलेटी, बबलू सैनी, अशोक बैरवा पाखर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

दिव्यांग कुलदीप कुमार सेन की मेहनत रंग लाई, रायपुर अहिरान-सातोंर सड़क निर्माण कार्य शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांग सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप कुमार सेन की सतत मेहनत एक बार फिर रंग लाई है। रायपुर अहिरान से राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सातोंर तक सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इस सड़क के लिए कुलदीप कुमार सेन लंबे समय से संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपते रहे, जिसके परिणामस्वरूप अब यह कार्य धरातल पर उतर सका है। सड़क निर्माण शुरू होने से विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी, वहीं ग्रामीणों के आवागमन में भी सुविधा होगी। वर्षों से कच्चे रास्ते के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, जो अब दूर होगी। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण शुरू होने पर खुशी जाहिर करते हुए कुलदीप कुमार सेन के प्रयासों की सराहना की और इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी कुलदीप कुमार सेन के प्रयासों से पचेरी से भालोठ सड़क के लिए उपखंड मुख्यालय से लेकर जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास तक आंदोलन किया गया था, जिसके बाद करीब 19 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण की घोषणा हुई और वह सड़क आज बनकर तैयार हो चुकी है। क्षेत्र में कुलदीप कुमार सेन सरकारी स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई को लेकर भी सक्रिय रहते हैं तथा सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि उनके प्रयासों से आगे भी क्षेत्र में विकास कार्य गति पकड़ेंगे।

अशोक सामरिया चौथी बार निर्विरोध आवासन मण्डल अनु.जाति, जन.जाति अधिकारी कर्मचारी समन्वय परिषद के प्रदेशाध्यक्ष बने

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । अखिल भारतीय अनुसूचित जाति, जनजाति पिछड़ी जाति अधिकारी कर्मचारी समन्वय परिषद राजस्थान आवासन मण्डल की आम सभा बैठक एवं नववर्ष स्नेह मिलन समारोह उप आवासन आयुक्त बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में सामुदायिक भवन सेक्टर-8 मानसरोवर, जयपुर में आयोजित हुआ। विशिष्ट अतिथि पूर्व परिषद अध्यक्ष पी.एम. डीगरवाल, पूर्व पदाधिकारी आत्मानंद उज्जेनिया, भगवती प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद वर्मा बैठक मे आवासन मण्डल के अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया एवं सर्व सहमति से अशोक सामरिया को चौथी बार निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुना। मण्डल मे समन्वय परिषद 1979 से आरक्षित वर्ग के हितार्थ कार्य कर रही।सामरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं कहा परिषद मे आरक्षित वर्ग के सभी अधिकारी, कर्मचारी सदस्य है, शीघ्र प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा। मण्डल मे आरक्षित वर्ग कार्यरत अधिकारी, कर्मचारियों की द्वितीय पहचान निर्देशिका बनाई जाएगी जिससे आपस में संपर्क के साथ पद, पदस्थापन, सेवानिवृत्त आदि के बारे मे सभी को जानकारी हो सके। मण्डल के सभी अधिकारी व कर्मचारियों को आपस मे समन्वय के साथ अहंकार, पूर्वाग्रह और द्वेषता खत्म कर एक परिवार तरह मिलकर मण्डल की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए कार्य करना चाहिए। विभागो मे रोस्टर, बैक लॉग, पदोन्नति, कार्य स्थल पर उत्पीडन समस्याओं के साथ पद स्थापन, कार्य विभाजन मे भी भेदभाव का सामना करना पड रहा है। राजस्थान सरकार को सभी मांगो को लेकर शीघ्र मांग पत्र दिया जाएगा। सामरिया वर्तमान मे अखिल राजस्थान

अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जाति, अधिकारी कर्मचारी संयुक्त महासंघ के भी प्रदेशाध्यक्ष है। बैठक मे वरिष्ठ कार्मिक प्रबंधक प्रभुलाल मीणा, आवसीय अभियन्ता जे.सी. गोधा, दारासिंह, धनराज नायक, जे.पी. वर्मा, रमेश महावर, राजेन्द्र प्रसाद, सम्पदा प्रबंधक रामू मीणा, किशोर चंद, मोहन लाल बुनकर, सहायक आवासन अधिकारी रामलाल मीणा, अशोक जाजोरिया, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी गणेश वर्मा, श्याम बिहारी, राजेश खींची, लेखाधिकारी घनश्याम मीणा, रामकिशन मीणा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ओमप्रकाश मीणा, रामकिशोर मीणा, रामनारायण जाबडोलिया, कन्हैयालाल पालीवाल, कैलाश मीणा, पुष्पेन्द्र मीणा, छाजूराम मीणा, नरेन्द्र वर्मा, घनश्याम रेगर, कनिष्ठ अभियन्ता मोहनलाल कसोटिया, राहुल मीणा, पुनम बैरवा, बलराम, मनीष कुमार मीणा, महेन्द्र मीणा, अजय मीणा, रुक्मणी, रामकृपाल मीणा, नितेश कुमार, कोमल मीणा, गणेश मीणा, रोशन महावर, अनिल आसीवाल, महेश कुमार, सांवरलाल मीणा, मुकेश तंवर आदि अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

शिल्प प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन, विभिन्न क्राफ्टों का हुआ लाइव प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

सावित्री बाई फूले महिला महाविद्यालय सीकर में वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार एवं सीकर हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को पारंपरिक हस्तशिल्प से जोड़ते हुए स्वरोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर जे. डी. सोनी कला महाविद्यालय, सीकर ,डॉ. मुनेश कुमार, डॉ. सुभाष कुंतल, डॉ. अजय विक्रम सिंह, मोहम्मद मुस्लिम एवं डॉ. ओ.पी. सैनी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर सीकर हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के निदेशक मनमोहन पालीवाल ने बताया कि तीन दिवसीय इस शिल्प प्रदर्शन कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों एवं विद्यालयों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ अलग-अलग क्राफ्ट से जुड़े कारीगरों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में पारंपरिक हस्तशिल्प विधाओं का लाइव डेमोन्स्ट्रेशन किया गया, जिससे विद्यार्थियों को क्राफ्ट की तकनीकी बारीकियों को समझने का प्रत्यक्ष अवसर मिला।मुख्य अतिथि प्रोफेसर जे. डी. सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि 'जीवन में व्यक्ति की पहचान उसके हुनर से बनती है। जिस व्यक्ति में क्राफ्ट का कौशल होगा, वह स्वरोजगार स्थापित कर सकता है और अपने आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।' उन्होंने ऐसे आयोजनों को युवाओं के भविष्य निर्माण में अत्यंत उपयोगी बताया।कार्यक्रम के दौरान आर्टीजनों द्वारा अपने-अपने क्राफ्ट का लाइव प्रदर्शन किया गया तथा विभिन्न कामगारों ने अपने शिल्प से जुड़ा विस्तृत ज्ञान प्रतिभागियों के साथ साझा किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया जाएगा।सावित्री बाई फूले महिला महाविद्यालय के सचिव डॉ. ओ.पी. सैनी ने कहा कि 'भारत को विश्व में हस्तशिल्प का सर्वोत्कृष्ट केन्द्र माना जाता है। यहाँ दैनिक उपयोग की सामान्य वस्तुएँ भी कलात्मक रूप से गढ़ी जाती हैं। इस प्रकार के आयोजन भारतीय हस्तशिल्पकारों की रचनात्मकता को नया आयाम प्रदान करते हैं तथा भारत के प्रत्येक क्षेत्र की विशिष्ट हस्तशिल्प परंपरा को गौरवान्वित करते हैं। कम्पनी निदेशक मनमोहन पालीवाल ने बताया कि इस शिल्प प्रदर्शन कार्यक्रम में बालिकाओं की सहभागिता एवं रुचि अत्यंत सराहनीय रही। वस्त्र मंत्रालय एवं सीकर हैण्डीक्राफ्ट प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के सहयोग से आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिनमें चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी बालिकाओं को सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान कुल 20 आर्टीजनों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहाँ उनके द्वारा निर्मित उत्पादों का लाइव डेमोन्स्ट्रेशन किया गया। महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने कार्यक्रम का अवलोकन किया तथा हस्तशिल्प से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

डीलर्स मीट व लकी ड्रॉ में शामिल हुए राजस्थान सहित कई राज्यों के डिस्टीब्यूटर व व्यापारी

उपभोक्ताओं तक बेहतरीन उत्पाद पहुंचाना ही लक्ष्य- महेंद्र तोदी निदेशक फ़ाइनग्रो इंडस्ट्रीज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

उपभोक्ताओं तक बेहतरीन उत्पाद पहुंचाना ही फ़ाइनग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का लक्ष्य है यह कहना है कंपनी के निदेशक युवा उद्यमी महेंद्र तोदी का। जाने माने हास्य-व्यंग्य के कवि हरीश हिन्दुस्तानी की विशिष्ट शैली और अंदाज में जयपुर स्थित होटल होलीडे इन में रविवार को आयोजित फ़ाइनग्रो इंडस्ट्रीज के डीलर्स मीट एवं लकी ड्रॉ समारोह के संचालन के दौरान कंपनी के नए मशीन वॉश डिटर्जेंट सच्चा सोना मेटिक का आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया।

कार्यक्रम में कंपनी के निदेशक महेंद्र कुमार तोदी,

विष्णु भूत, अमित चिरानिया, अनिल सिंघल, हर्ष बियानी, कृष्णा शर्मा सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रबंधन टीम उपस्थित रहे।डीलर्स मीट में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली से बड़ी संख्या में कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर एवं व्यापारिक सहयोगी शामिल हुए, जिन्होंने कंपनी के उत्पादों और भविष्य की योजनाओं को लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. श्याम अग्रवाल रहे ।इस अवसर पर लॉन्च किया गया सच्चा सोना मेटिक एडवांस मशीन वाश डिटर्जेंट पाउडर आधुनिक तकनीक से युक्त, कपड़ों एवं वाशिंग मशीन दोनों के लिए सुरक्षित, किफ़ायती एवं उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद है, जिसे डीलर्स द्वारा बेहद सराहा गया।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा भव्य लकी ड्रॉ, जिसमें मारुति कार, स्कूटी, मोटरसाइकिल, आईफ़ोन सहित हज़ारों आकर्षक पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किए गए, जिससे उपस्थित डीलर्स में खासा उत्साह देखने को मिला।अपने संबोधन में कंपनी के निदेशक महेंद्र कुमार तोदी ने कहा कि फ़ाइनग्रो इंडस्ट्रीज का उद्देश्य हमेशा गुणवत्ता, भरोसे और उचित मूल्य के साथ उपभोक्ताओं तक बेहतरीन उत्पाद पहुँचाना रहा है। सच्चा सोना मेटिक इसी सोच का परिणाम है।कार्यक्रम के समापन पर कंपनी प्रबंधन ने सभी डीलर्स, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में और भी ऐसे नवाचार एवं कार्यक्रम आयोजित करने का विश्वास दिलाया।

‘पंच-परिवर्तन’ से राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का संदेश, 22 जनवरी को गणेश बस्ती में होगा विशाल हिंदू सम्मेलन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.श्रीमाधोपुर।

कस्बे की गणेश बस्ती स्थित श्री इच्छापूर्ण बालाजी धाम एवं श्री नर्मदेश्वर चमत्कारेश्वर शिव धाम, गणेश नगर कॉलोनी में तृतीय पाटोत्सव समारोह एवं विशाल हिंदू सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। कार्यक्रम के तहत 21 जनवरी को रात्रि में भजन संध्या तथा 22 जनवरी को दोपहर 12 बजे से गणेश बस्ती का हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य व्यवस्थापक व पुजारी नरेंद्र कुमावत ने बताया कि 21 जनवरी को संपूर्ण रात्रि भजन संध्या का आयोजन सिद्धार्थ जांगिड़, विजय कुमावत व उनकी टीम द्वारा किया जाएगा। वहीं 22 जनवरी को आयोजित हिंदू सम्मेलन में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर ओमकार दास जी महाराज सनातन धर्म के समक्ष वर्तमान चुनौतियों व उनके समाधान पर प्रवचन देंगे।

सवाई मानसिंह अस्पताल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कविता यादव भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों से प्रेरणा लेते हुए ‘पंच-परिवर्तन’ विषय पर अपने विचार रखेंगी। इसके अलावा स्थानीय संत हेमंत जी महाराज एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष जगदीश सिंह शेखावत, मंदिर अध्यक्ष शंकरजी ढाका, राष्ट्रीय सेविका समिति की जिला कार्यवाहिका चित्रा लाटा, महिला कार्य प्रमुख संतोष कंवर, मनीषा देवी कुमावत, अशोक सैन, बाबूलाल जांगिड़, साधुराम जांगिड़, सुनील कुमावत, मोहन सैनी, राजू सैनी, जग्गूजी जाट, महावीरजी सैन, सुंदर चौहान, जगेंद्र सैनी, महेंद्र सैनी, रामावतार सैनी सहित अन्य कार्यकर्ता व्यापक जनसंपर्क कर रहे हैं। आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट अशोक पारीक ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में मंडल व बस्तियों में हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी व आत्मनिर्भरता तथा नागरिक कर्तव्य जैसे ‘पाँच परिवर्तनों’ पर संकल्प लिया जाएगा। कार्यक्रम के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत सीआईए टोहाना की बड़ी कार्रवाई : 8 किलो 808 ग्राम गांजा सहित आरोपी काबू

जमालपुर शेखां-कुलां रोड पर नाकाबंदी के दौरान नशा तस्करी पर करारा प्रहार

गुप्तचर विभाग की गुप्त सूचना के बाद पुलिस टीम आई हरक़त में, गुप्तचर विभाग के सब इंस्पेक्टर राम श्याही की नशा तस्करों में दहशत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहें ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में सीआईए टोहाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को भारी मात्रा में गांजा सहित काबू कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गांव जमालपुर शेखां क्षेत्र में गश्त एवं नाकाबंदी पर मौजूद थी। इसी दौरान विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक मोटरसाइकिल पर गांजा लेकर रतिया की ओर से टोहाना की तरफ आ रहा है। सूचना की पुष्टि के उपरांत जमालपुर शेखां-कुलां रोड पर नाकाबंदी की गई। कुछ समय पश्चात एक संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया, जो पुलिस नाकाबंदी को देखकर वापस मुड़ने का प्रयास करने लगा। संदेह के आधार पर उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया।

युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

22 जनवरी को रेवाड़ी आईटीआई में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेला का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रेवाड़ी में गुरुवार 22 जनवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप व रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बावल, धारूहेड़ा, रेवाड़ी व मानेसर औद्योगिक क्षेत्रों से 40 औद्योगिक कंपनियां भाग लेंगी। राजकीय आईटीआई रेवाड़ी में आयोजित होने वाले पीएम नेशनल अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेला में डीसी अभिषेक मीणा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

खारीवाड़ा के पूर्व सरपंच को भातृ शोक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । गांव खारीवाड़ा के पूर्व सरपंच वीर सिंह के भाई विष्णु सिंह का सोमवार को निधन हो गया। वो 52 वर्ष के थे तथा एक सामाजिक नागरिक थे। उनके अंतिम संस्कार में आस-पास के अनेक गांवों के गणमान्य व सरपंचों ने हिस्सा लिया। पूर्व सरपंच बीर सिंह ने बताया कि उनके दो बच्चे है, अचानक निधन होने से परिवार पर काफी बोझ पड़ गया है।

40 वर्षों से हरियाणा की दलित एवं सामाजिक राजनीति में जमीन से जुड़े नेतृत्व का गंभीर अभाव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । ऐतिहासिक नगरी हांसी में संविधान बचाओ, समाज बचाओ आंदोलन का सातवां अधिवेशन अत्यंत उत्साह, अनुशासन और एकजुटता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अधिवेशन में हरियाणा के समस्त जिलों से प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। अधिवेशन के मुख्य अतिथि एवं संयोजक डॉ. अनिल रंगा ने आंदोलन के उद्देश्यों, दिशा और भविष्य पर अपने बहुमूल्य एवं प्रेरणादायक विचार साझा किए। अपने संबोधन में डॉ. रंगा ने कहा कि पिछले लगभग 40 वर्षों से हरियाणा की दलित एवं सामाजिक राजनीति में जमीन से जुड़े नेतृत्व का गंभीर अभाव रहा है, जिसके परिणामस्वरूप शासन-सत्ता में समाज की भागीदारी लगभग नगण्य बनी रही है। उन्होंने आह्वान किया कि वर्ष 2029 में होने वाले विधानसभा चुनावों में इस राजनीतिक खालीपन को भरते हुए समाज की निर्णायक, संगठित और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। महेंद्रगढ़ जिले सें रिडायर्ड प्राचार्य अमर सिंह निमोरिहिया अपने दल -बल के साथ पहुंच कर अपना विशेष संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा व आरएसएस की विभाजकारी नीतियों से संविधान कमजोर होने के साथ भारत वर्ष के विभिन्नता में एकता का पर गहरी चोट हो रही है। लगातार संविधान को कमजोर किया जा रहा है। अधिवेशन में उपस्थित सभी साथियों ने संविधान बचाओ, समाज बचाओ आंदोलन को पूरी मेहनत, एकजुटता और ताकत के साथ आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया। अधिवेशन की ऐतिहासिक सफलता के लिए हांसी की पूरी टीम, हांसी जिले से पधारे सैकड़ों प्रबुद्ध साथियों, तथा संविधान बचाओ, समाज बचाओ आंदोलन की समस्त टीम का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

गणतंत्र दिवस पर रेवाड़ी में गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा जिला स्तरीय समारोह

प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम होंगे मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । रेवाड़ी मुख्यालय पर 26 जनवरी को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन पुलिस लाइन प्रांगण में गरिमामयी ढंग से किया जाएगा। गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में ध्वज फहराएंगे व मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। गणतंत्र दिवस समारोह में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा साथ ही विभिन्न विभागों की झाकियां भी निकाली जाएगी। जिसके लिए सभी संबंधित विभाग तैयारियों में जुट गए हैं और प्रतिभागियों द्वारा समारोह में प्रस्तुत किए जाने वाले देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित मार्च पास्ट व अन्य

कार्यक्रमों की रिहर्सल शुरू कर दी गई है। डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में डीईओ बिजेंद्र हुड्डा, डीईईओ प्रदीप दहिया की देखरेख में नोडल अधिकारी एवं कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. ज्योत्स्ना यादव व प्रवक्ता पूनम यादव द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न स्कूल में पहुंचकर देखे और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीईओ बिजेंद्र हुड्डा ने बताया कि मंगलवार से पुलिस लाइन रेवाड़ी में परेड व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। गणतंत्र दिवस समारोह से संबंधित फूल ड्रेस रिहर्सल 24 जनवरी को आयोजित की जाएगी। जिला मुख्यालय सहित उपमंडल कोसली व बावल में भी गणतंत्र दिवस समारोह गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा।

धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में शुरू हुआ अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव 2026

23 जनवरी तक होगा अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा की धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा सोमवार को आदि बद्री से इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की तर्ज पर इस बार अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव भी मनाया जा रहा है। महोत्सव में लाखों दीप की रोशनी से सरस्वती तीर्थ जगमगाया गया है। पांच दिवसीय सरस्वती महोत्सव में हवन यज्ञ के साथ कन्या पूजन तथा सरस्वती तीर्थ की परिक्रमा का भी आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 20 से 21 जनवरी तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में सरस्वती नदी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड तथा पुरातत्व विभाग के संयुक्त तत्वावधान द्वारा 22 जनवरी को राखीगढ़ी और कुनाल में सरस्वती पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 23 जनवरी को पिहोवा तीर्थ, सरस्वती नगर (धाम), यमुनानगर व पोलड़ एवं पिसोल तीर्थ, कैथल, हंस डहर तीर्थ जींद में सरस्वती महोत्सव समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव को विशेष पहचान दिलाने के लिए 25 जनवरी, 2026 तक पिहोवा में सरस मेला भी आयोजित किया जाएगा।

अलग-अलग राज्यों से पहुंचेंगे क्राफ्ट मैन

डीसी ने बताया कि इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की तर्ज पर अंतर्राष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव में क्राफ्ट और सरस मेले का आयोजन भी किया जाएगा। जहां पर देश के अलग-अलग राज्यों में सबसे ज्यादा क्राफ्ट मैन पहुंचेंगे और अपनी क्राफ्ट कला का प्रदर्शन करेंगे। महोत्सव में स्वदेशी बाजार भी लगाया गया है, ताकि भारत में बनी हुई स्वदेशी चीजों का प्रचार-प्रसार हो सके।

टोहाना शहर पुलिस की कार्रवाई: चोरी की मोटरसाइकिल मामले में आरोपी काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना शहर टोहाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। यह कार्रवाई थाना शहर टोहाना क्षेत्र में दर्ज चोरी के प्रकरण की त्वरित एवं गहन जांच के उपरांत की गई। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि दिनांक 12 फरवरी 2024 को थाना शहर टोहाना में मोटरसाइकिल चोरी के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता गुलशन कुमार पुत्र देसराज निवासी वार्ड नंबर 06, शास्त्री नगर, टोहाना, जिला फतेहाबाद के अनुसार पार्क स्कूल के सामने वाली गली से उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी।

इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 87 दिनांक 12.02.2024 धारा 379 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण, गुप्त सूचना तथा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की सहायता से जांच को आगे बढ़ाया गया। निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप आरोपी को काबू किया गया। आरोपी की पहचान विक्रम उर्फ रोकी उर्फ बोक्शर पुत्र राजेन्द्र निवासी राजनगर, टोहाना के रूप में हुई। शिकायतकर्ता द्वारा दी गई जानकारी एवं जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई। अंत में थाना शहर टोहाना पुलिस ने बताया कि आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

कस्सी से युवक की गर्दन काटी, खेत में मिला शव,मौके पर कस्सी छोड़ आरोपी फरार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । रतिया क्षेत्र के गांव महमदकी में एक युवक की हत्या कर दी गई युवक के गले पर कस्सी से वार किए गए थे। आरोपी मौके पर कस्सी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मृतक पिता के बयान पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक का कुछ दिन पहले ही रिश्ता तय हुआ था। जानकारी के अनुसार, गांव महमदकी के जगविंद्र सिंह (28) रविवार को अपने खेत में गया था। जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटा, तो परिजनों को उसकी चिंता हुई। इसके बाद खेत मजदूर ने खेत में जाकर देखा। वहां बने एक कमरे में जगविंदर का शव पड़ा मिला। शुरुआत में परिजनों को लगा कि युवक की मौत करंट लगने से हुई है, लेकिन बाद में उन्हें खून से सनी हुई एक कस्सी भी वहीं रखी भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव मिली। सूचना मिलने पर पुलिस को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रतिया के सिविल अस्पताल पहुंचाया। मृतक के पिता अवतार सिंह ने बताया कि कल परिवार के लोग भोग पर गए हुए थे । खेत में सिंचाई की बारी थी, इसलिए जगविंद्र खेत चला गया। शाम को करीब 5 बजे चचेरे भाई ने सूचना दी । मारने के बाद आरोपी ने कमरे पर लगे शटर को भी आधा नीचे किया हुआ था। जब शटर खोलकर अंदर गए, तो डेडबॉडी पड़ी मिली। जगविंदर का परिवार खेतीबाड़ी ही करता है। वह दो भाईयों में छोटा था, जगविंद्र भी खेतीबाड़ी में ही परिवार का हाथ बंटाता था। पुलिस था, जगविंद्र भी खेतीबाड़ी में ही को शक है कि जगविंद्र के किसी जान-पहचान वाले व्यक्ति ने ही वारदात को अंजाम दिया है। परिजनों के मुताबिक, जगविंद्र सिंह का गांव कमाना की एक युवती के साथ प्रेम था। उसी युवती के साथ जगविंद्र का रिश्ता तय कर दिया गया था, अभी वह 28 साल का था। उसके 29 साल का होते ही शादी करनी थी। पांच महीने बाद वह 29 साल का होने वाला था। मगर इससे पहले ही यह वारदात हो गई। पुलिस इस मामले की प्रेम प्रसंग के एंगल से भी जांच कर रही है। सदर थाना रतिया प्रभारी प्रहलाद राय ने बताया कि अभी मामले की जांच कर रहे हैं। जो भी दोषी होगा, उसको जल्द पकड़ा जाएगा।

टोहाना थाना शहर पुलिस की कार्रवाई: घर से चोरी के मामले में आरोपी काबू

सोने के टॉप्स व मोबाइल फोन चोरी प्रकरण का सफल खुलासा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना शहर टोहाना पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में थाना शहर टोहाना पुलिस ने घर से चोरी के एक मामले में आरोपी को काबू कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता रमेश लाल पुत्र सोहन लाल निवासी वार्ड नंबर 17, दमकौरा रोड, तूर नगर, नजदीक गुरुतेज बहादुर

गली नंबर 1, टोहाना ने शिकायत दर्ज कराई कि दिनांक 04.12.2025 को उनके भतीजे की शादी गुरुग्राम में होने के कारण परिवार सहित बाहर गए हुए थे। 07.12.2025 को लौटने पर उन्होंने पाया कि मकान की अलमारी से दो जोड़ी सोने के टॉप्स और दो मोबाइल फोन चोरी हो चुके हैं। पुलिस ने तकनीकी और गुप्त सूचनाओं के आधार पर त्वरित जांच करते हुए आरोपी की पहचान की और उसे काबू किया। आरोपी की पहचान रवि उर्फ कोयल पुत्र करमबीर उर्फ पप्पी निवासी वार्ड नंबर 02, बाबा बुड्ढा शाह बस्ती, टोहाना (हाल निवासी जींद) के रूप में हुई। इस संबंध में अभियोग संख्या 28, दिनांक 18.01.2026, धारा 305, 331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा और जांच जारी है।

पंडित जसराज की जयंती पर पीली मंदोरी में राज्य स्तरीय समारोह, सीएम सैनी होंगे मुख्य अतिथि

महान शास्त्रीय गायक पंडित जसराज क्षेत्र के गौरव : पूर्व विधायक दुड़ाराम

पूर्व विधायक दुड़ाराम व कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढांलिया ने समारोह स्थल का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारतीय शास्त्रीय संगीत के विश्वविख्यात गायक एवं पद्म विभूषण से सम्मानित पंडित जसराज की जयंती के अवसर पर 2 फरवरी को उनके पैतृक गांव पीली मंदोरी में एक भव्य राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम व कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया ने सोमवार को गांव पीली मंदोरी पहुंचकर प्रस्तावित आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि यह क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है कि महान शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की जयंती उनके पैतृक गांव में राज्य स्तरीय समारोह के रूप में मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से न केवल अपने गांव और प्रदेश, बल्कि पूरे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा कि पंडित जसराज इस क्षेत्र के गौरव हैं और उनके जन्मदिवस पर सरकार द्वारा राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति से क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह है तथा बड़ी संख्या में लोग इस समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने राज्यस्तरीय समारोह फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र में आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा

कि इस क्षेत्र में बहुत सालों के बाद मुख्यमंत्री आ रहे है। उनके समक्ष इस क्षेत्र की मांगे भी रखी जाएगी ताकि क्षेत्र में विकास की गति और तेजी से आगे बढ़े। पूर्व विधायक ने कहा कि समारोह की सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिला प्रशासन द्वारा मंच एवं बैठक व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा, स्वच्छता, विद्युत आपूर्ति सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सफल, सुव्यवस्थित और गरिमामय ढंग से किया जा सके। इस अवसर पर कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य स्तरीय समारोह को भव्य, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय और पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारियों का समयबद्ध और प्रभावी ढंग से निर्वहन सुनिश्चित करें, ताकि आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी न रह जाए। कार्यवाहक उपायुक्त ने कहा कि पंडित जसराज जैसे महान कलाकार की स्मृति में आयोजित यह राज्य स्तरीय समारोह प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसे सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी गंभीरता और निष्ठा से कार्य कर रहा है। इस मौके पर एसडीएम राजेश कुमार, डीडीपीओ अनूप सिंह, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के उप निदेशक अमित पंवार, जिला पार्षद ओम प्रकाश मालिया, सुभाष गोरछिया सहित गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

30 साल पहले महासर में पशु अस्पताल आना लेकिन स्वीकृत नहीं

कोई लाभ नहीं, मंत्री आरती राव जी हमारी सुनो

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । पशुपालन विभाग ने 30 वर्ष पूर्व अटेली खंड के गांव महासर में ग्राम पंचायत से जमीन लेकर पशु औषधालय भी खोल कर बिल्डिंग भी बना दी। लेकिन अपने रिकार्ड में स्वीकृत नहीं किया इस कारण गांव में बना औषधालय ग्रामीणों के लिए सफेद हाथी बना हुआ है। ग्रामीणों ने थक हार कर गांव के पशु औषधालय खोलने के लिए ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत द्वारा

अटेली कनीना मार्ग पर दो एकड़ जमीन भी दे रखी है पशुपालन विभाग ने यहां बिल्डिंग व चार दिवानी बना दी है लेकिन पशुपालन विभाग की तरफ से कोई डॉक्टर, वीएलडीए या अन्य पुश कर्मी नहीं बैठने के कारण इस औषधालय का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। यह भवन अब गिराऊ हालत व आवारा लोगों का स्थान बनता जा रहा है। ग्रामीण व पशुपालक देशराज, सतवीर सिंह, फकीरचंद, प्रभाती पंच, गणपति अजय सिंह, सुरेश चोटी वाला, कंवर सिंह, प्रदीप विक्रम, बिल्लू फौजी, रुपेंद्र मैनेजर, नित्यानंद, हनुमान आदि ने उनके गांव अनेक गांवों को केंद्र है। हमारे गांव के आस-पास सैकड़ों पशुओं की संख्या भी है। इतना ही नहीं गांव में एक साल में चार बार पशु मेला भरता है। जिसमें ऊंट, भैंस व दूसरे पशुओं की बिक्री होती है। इतना होने के बावजूद हमारे गांव में बने पशु अस्पताल का लाभ मिल नहीं रहा है। इसलिए मंत्री आरती राव जी हमारी बात को सुन कर हल करें, मजबूरी वस हमें धरने पर बैठना पड़ा है। गांव की सरपंच मंजू देवी ने बताया कि गांव में 30 वर्ष पशु औषधालय खोला गया था लेकिन स्वीकृत नहीं किया इस कारण यहा पशु चिकित्सक नहीं बैठते है तथा कोई लाभ नहीं मिल रहा है। अनेक बार विभाग के उच्च अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को अवगत करा चुके है। ग्रामीण व पशुपालक मजबूर हो कर व शासन-प्रशासन को जगाने के लिए धरने पर बैठ गये है।

कोहली स्थिति के अनुसार खेलते हैं, युवा क्रिकेटर उनसे सबक लें : विराट की शानदार इनिंग पर बोले गावस्कर

इंदौर (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली के बैटिंग टेम्परमेंट की तारीफ करते हुए कहा है कि स्टार बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक खेलने के बजाय स्थिति के अनुसार अपने खेल को बदलने की क्षमता रखते हैं।

इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे के बाद जियोस्टार पर बातचीत में गावस्कर ने कहा कि कोहली की मानसिकता उन्हें कई समकालीन खिलाड़ियों से अलग बनाती है। गावस्कर ने कहा, 'उनके बारे में खास बात यह है कि वह किसी इमेज से बंधे नहीं हैं। बहुत से बल्लेबाज और गेंदबाज इस बात से बंधे होते हैं कि उन्हें कैसे देखा जाता है और उन्हें लगता है कि उन्हें उस इमेज पर खरा उतरना होगा। विराट ऐसे नहीं हैं। वह अपने काम पर ध्यान देते हैं और वह काम रन बनाना है।'

गावस्कर ने कहा, 'वह इस बात की उम्मीदों से बंधे नहीं हैं कि उन्हें कैसे खेलना चाहिए। वह स्थिति के अनुसार खेलते हैं। यही टेम्परमेंट महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि दबाव में भी हार न मानने का कोहली का रवैया उनका एक खास गुण है जो कि उन्हें अन्य से भिन्न बनाता है। कोहली पर यह टिप्पणी सीरीज के निर्णायक मैच में 108 गेंदों पर 124 रन की उनकी शानदार पारी के बाद आई है। न्यूजीलैंड ने यह मैच 41 रन से जीतकर ऐतिहासिक 2-1 से वनडे सीरीज जीत ली जो कि 37 साल के इंतजार के बाद भारतीय धरती पर यह उनकी पहली सीरीज जीत थी।

उन्होंने कहा, 'आखिर तक भी वह कोशिश कर रहे थे। शायद दस्ताने थोड़े पसीने से गीले हो गए, ग्रिप थोड़ी ढीली हो गई, और इसीलिए बल्ले का मुंह घूम गया।' उन्होंने युवा क्रिकेटरों के लिए कोहली के इस रवैये को एक सबक के तौर पर भी बताया, और उनसे कहा कि वे पहले से बनी उम्मीदों के बजाय मैच की स्थितियों पर ध्यान दें।

गावस्कर ने ऑलराउंडर हर्षित राणा की निचले क्रम की बल्लेबाजी की भी तारीफ की और लक्ष्य का पीछा करने के अहम चरण में उनकी भूमिका की स्पष्टता की सराहना की। राणा ने 43 गेंदों पर 52 रन की जवाबी हमलावर पारी खेली और कोहली के साथ 99 रन की साझेदारी की, जिससे कुछ समय के लिए भारत की उम्मीदें फिर से जगीं।

गावस्कर ने कहा, 'उन्होंने बिल्कुल वैसे ही बल्लेबाजी की जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज को करनी चाहिए, बिना किसी चिंता और बिना किसी उम्मीद के। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ी के साथ राणा का शांत स्वभाव खास तौर पर प्रभावशाली था।'

नोवाक जोकोविच की ऑस्ट्रेलिया ओपन में 100वीं जीत, पेड्रो मार्टिनेज को हराया

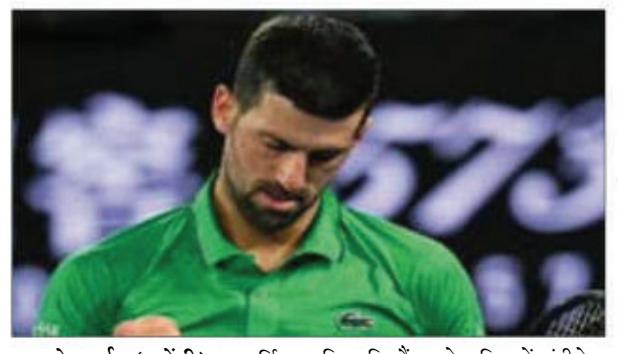

मेलबर्न (एजेंसी)। सार्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को हराकर अपने करियर की 100वीं जीत दर्ज की। आज यहां पूर्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने पेड्रो मार्टिनेज को 6-3, 6-2, 6-2 से हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए मेलबर्न पार्क में अपनी 100वीं करियर जीत हासिल की। रिकॉर्ड 10 बार के ऑस्ट्रेलिया ओपन चैंपियन जोकोविच की अब टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के 102 मैच जीतने के ऑल-टाइम रिकॉर्ड को तोड़ने पर नजर हैं। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मैं क्या कहूं। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा। सेंचुरी बनाना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा मैं शुरू में बहुत भाग्यशाली था कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने मुझे सिखाया और गाइड किया कि मैं अपने करियर में लंबी रेस का घोड़ा बनूं, जल्दी थक न जाऊं, और जितना हो सके उतना लंबा करियर बनाऊं। मैं खुशकिस्मत हूं कि मैं अभी भी इस स्तर पर खेल रहा हूं।' जोकोविच ने अब ऑस्ट्रेलियन ओपन, विंबलडन और रोलैंड गैरोस में 100 या उससे अधिक जीत दर्ज की हैं और वह तीन अलग-अलग बड़े टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। इस जीत के साथ ही जोकोविच अपने लगातार 19वें ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे राउंड में पहुंच गये है। जहां जोकोविच का मुकाबला 23 साल के इटैलियन क्वालिफायर फ्रांसेस्को मेस्ट्रेली से होगा। डेब्यू करने वाले खिलाड़ी ने टेरेंस एटमेन को 6-4, 3-6, 6-7(4), 6-1, 6-1 से हराकर किसी मेजर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में असफल रहे रोहित का शुभमन ने किया बचाव

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा है। इस सीरीज में भारतीय

टीम की हार का कारण सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का असफल होना रहा है जिससे एक बार फिर उनके फार्म पर सवाल उठे हैं। रोहित सीरीज के तीनों ही मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 61 रन ही बना पाये। तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम को तीन सौ से अधिक रनों का लक्ष्य मिला था पर रोहित केवल 11 रन ही बना पाये।

सीरीज में उनका सबसे अधिक स्कोर 26 रन रहा है। वहीं टीम के कप्तान शुभमन गिल ने रोहित का बचाव करते हुए कहा है कि वह इस सीरीज में अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल पाये और ऐसा होता रहता है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। पिछले छह एकदिवसीय में उन्होंने चार बार 50 से ज्यादा रन बनाये थे पर इस बार वह इस लय को बनाये नहीं रख पाये। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में रोहित केवल 11 रन ही बना पाये। इस प्रकार तीन एकदिवसीय मैचों में वह 26, 24 और 11 रन ही बना पाये। इसी कारण भारतीय टीम बड़े स्कोर नहीं बना पायी ओर उसे हार का सामना करना पड़ा। शुभमन ने मैच के बाद कहा, ÷मुझे लगता है कि वह अच्छे फॉर्म में हैं, ऑस्ट्रेलिया सीरीज से लेकर दक्षिण अफ्रीका सीरीज तक उन्होंने रन बनाये हैं। इस सीरीज में वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाये पर मुझे लगता है कि उन्होंने पहले दो एकदिवसीय में टीम को अच्छी शुरुआत की थी। एक बल्लेबाज के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि उन शुरुआतों को बड़े स्कोर में बदलें और शतक बनाएं हालांकि हर बार ऐसा संभव नहीं होता।'

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : बांग्लादेश के समर्थन में उतरा पाकिस्तान, उठाया बड़ा कदम

मुम्बई (एजेंसी)। बांग्लादेश ने भारत में सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टी20 विश्व कप में भारत से अपने मैच स्थानांतरित करने की मांग की है और ऐसा ना होने पर टी20 वर्ल्ड कप से हटने की अपनी धमकी भी दी है। इस पर अब ICC ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से कहा है कि भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर 21 जनवरी तक फैसला ले या सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट से बाहर होने को तैयार रहे। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने अगले महीने भारत और श्रीलंका द्वारा आयोजित होने वाले इस इवेंट के लिए अपनी टीम की तैयारी रोक दी है।

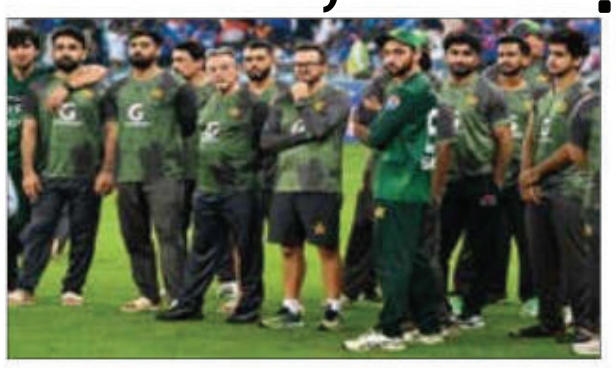

टेलीकॉम एशिया ने PCB के टॉप सूत्रों के हवाले से बताया, 'पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने ICC टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेशनल टीम की सभी तैयारियां रोक दी हैं और टीम मैनेजमेंट को प्लान के बारे में जानकारी दी गई है।' शनिवार को ढाका और इस्लामाबाद के बीच बातचीत के दौरान पाकिस्तान ने सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत न जाने के बांग्लादेश के फैसले का पूरा समर्थन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि PCB के चेयरमैन, मोहसिन नकवी, गठबंधन सरकार में गृह मंत्री के रूप में एक प्रमुख स्थान रखते हैं, एक सीनेटर के रूप में भी उनका महत्वपूर्ण स्थान है और विभिन्न मुद्दों पर बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान की बातचीत से अच्छी तरह वाकिफ हैं।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से आगे कहा गया, 'नकवी शनिवार को पाकिस्तान और बांग्लादेश सरकारों के बीच बातचीत का हिस्सा थे, उन्होंने उनसे कहा कि पाकिस्तान बांग्लादेश का पूरा समर्थन करता है और अगर बांग्लादेश की मांगें उनकी इच्छा के अनुसार हल नहीं होती हैं तो वह इवेंट में अपनी भागीदारी पर फिर से विचार करेगा।' सूत्रों ने कहा कि PCB ने सरकार को सूचित किया है कि पाकिस्तान का हटना आसान नहीं होगा क्योंकि उन्हें सरकार की सलाह पेश करनी होगी और एक वैध कारण बताना होगा। यदि वे एक वैध कारण बताने में विफल रहते हैं, तो उन्हें सदस्य भागीदारी समझौते का उल्लंघन करने के लिए दो मिलियन डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है जिस पर सभी सदस्य ICC के साथ हस्ताक्षर करते हैं।

सूत्रों ने कहा कि PCB ने टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी करने की भी पेशकश की है, अगर श्रीलंका में वेन्यू उपलब्ध नहीं हैं। बांग्लादेश ने मांग की है कि उनके मैचों को श्रीलंका में शिफ्ट किया जाए, जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कोलकाता नाइट राइडर्स से कॉन्ट्रैक्ट रद्द करने और आगामी IPL 2026 के लिए अपने पेसर मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने के लिए कहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) 21 जनवरी तक बांग्लादेश के अनुरोध पर अंतिम फैसला लेगी। ये रिपोर्ट्स ICC और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच एक मीटिंग के बाद आईं जिसमें दोनों पक्षों ने अपने-अपने रुख पर कायम रहे। बांग्लादेश ने ICC को यह भी सुझाव दिया था कि वह अपनी टीम को ग्रुप B में भेजने पर विचार करे। आयरलैंड के साथ जगह बदल ले, जो अपने ग्रुप मैच श्रीलंका में खेलता है। रिपोर्ट्स के अनुसार ICC ने आयरलैंड को आश्वासन दिया है कि ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।

सृष्टि किरण ने जीता आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स जे30 का खिताब, पूरी की हैट्रिक

बेंगलुरु । भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी सृष्टि किरण ने मेक्सिको के हुआमांटला में हुए आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर जूनियर्स जे30 टूर्नामेंट में गर्ल्स सिंगल्स का खिताब जीता।मेक्सिको के हुआमांटला में 12 से 18 जनवरी तक चली इस चैंपियनशिप में बेंगलुरु की 13 साल की सृष्टि ने घरेलू पसंदीदा तमारा हरमन (मेक्सिको) को 6-4, 6-4 से हराकर आईटीएफ खिताबों की शानदार हैट्रिक पूरी की। इससे पहले ड्रॉ में उन्होंने सेमीफाइनल में शानदार वापसी करते हुए लगातार 10 गेम जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की और 2-4 से पीछे होने के बाद 16 साल की घरेलू पसंदीदा मिरांडा सोफिया एस्कैमिला मोरालेस (मेक्सिको) को 6-4, 6-0 से हराया।

टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाना है लक्ष्य : कमिंस

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिाई टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनका लक्ष्य नये साल में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्कप मे बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाना है। कमिंस ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं और कार्यभार प्रबंधन के तहत ही उन्हें एशेज सीरीज के बचे हुए दो टेस्ट मैचों से बाहर रखा गया है। कमिंस चोटिल होने के कारण पहले दो टेस्ट में शामिल नहीं थे। मेजबान टीम ने पहले ही सीरीज 3-0 से जीत ली है जिससे देखते हुए कमिंस को उतारकर टीम जोखिम नहीं लेना चाहती है। कमिंस को जून जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे पर कमर में चोट लगी थी। जिससे देखते हुए टीम प्रबंधन उनपर अधिक बोझ नहीं डालना चाहता। वहीं कमिंस ने कहा कि अब आराम करने के बाद उन्हें पहले से बेहतर लग रहा है। साथ ही कहा कि कुछ सप्ताह पहले ही कमर की चोट से उबरा हूं तो लगातार दो टेस्ट खेलना जोखिमभरा रहता। अब टी20 विश्व कप से पहले कुछ आराम करूंगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्व कप में पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने हाल में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। जिसके कारण कमिंस टीम के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं।

इंडोनेशिया मास्टर्स 2026: पीवी सिंधु की अगुआई में भारत को बड़ी उम्मीद

जकार्ता (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु इंडिया ओपन में पहले दौर में मिली निराशाजनक हार को पीछे छोड़ते हुए इंडोनेशिया मास्टर्स 2026 में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगी। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 स्तर का यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू हो रहा है और सीजन की शुरुआत में ही खिलाड़ियों के लिए अहम पड़ाव माना जा रहा है।

नई दिल्ली में पिछले सप्ताह हुए इंडिया ओपन में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद सिंधु की नजरें इस टूर्नामेंट में लय हासिल करने पर टिकी होंगी। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में खेले गए मलेशिया ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचकर उन्होंने अपनी फॉर्म के संकेत जरूर दिए थे। ऐसे में जकार्ता में वह मजबूत वापसी की कोशिश करेंगी।

महिला एकल में भारत की मजबूत मौजूदगी

महिला एकल के पहले दौर में पीवी सिंधु का सामना जापान की मनामी सुइजु से होगा, जो उनसे रैंकिंग में नीचे हैं। इस वर्ग में भारत की अच्छी-खासी भागीदारी देखने को मिलेगी। सिंधु के अलावा मालविका बंसोड़, तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा भी मुख्य ड्रॉ में उतरेंगी। हालांकि उन्नति हुड्डा के लिए राह आसान नहीं होगी, क्योंकि पहले ही दौर में उनका मुकाबला चीन की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन यूफेई से तय हुआ है।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन से उम्मीदें

पुरुष एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीदें मौजूदा विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन से होंगी। लक्ष्य ने हाल ही में इंडिया ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया था और उसी लय को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। उनके अलावा पूर्व विश्व नंबर एक किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणॉय, थरुण मन्नेपल्ली और आयुष शेट्टी भी टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस वर्ग में थाईलैंड के पेरिस ओलंपिक 2024 के रजत पदक विजेता कुनलावुत वितिदसर्न शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में उतरेंगे।

डबल्स में सीमित लेकिन अहम भागीदारी

डबल्स स्पर्धाओं में भारत की मौजूदगी अपेक्षाकृत सीमित है। पुरुष युगल में हरिहरन अमसकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ही मुख्य ड्रॉ में नजर आएगी। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनिषा क्रास्टो और रोहन कपूर-रुथविका शिवानी गड्डे की जोड़ियां भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वहीं महिला युगल में रश्मि गणेश और सानिया सिकंदर की जोड़ी क्वालिफिकेशन राउंड से अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

डेनियल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को हराया, ऑस्ट्रेलिया ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

मेलबर्न । रूस के डेनियल मेदवेदेव ने सोमवार को नीदरलैंड के जेस्पर डी जोंग को हराकर ऑस्ट्रेलिया ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली हैं। आज यहां मेलबर्न पार्क के मार्गरेट कोर्ट एरिना में 11वीं सीड मेदवेदेव ने नीदरलैंड के खिलाड़ी जेस्पर डी जोंग के खिलाफ दो घंटे 53 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5 6-2 7-6(7-2) की जीत दर्ज की। मेदवेदेव अब अगले मैच में फ्रांस के क्वेंटिन हैलिस का सामना करेंगे। मैच के बाद मेदवेदेव ने कहा, 'अब तक मैं यह अच्छा कर रहा हूं। हमें नहीं पता कि आगे क्या होने वाला है, लेकिन बस कोर्ट पर उतना ही पॉजिटिव रहने की कोशिश कर रहा हूं जितना मैं जिंदगी में हूं। पिछले साल जो हुआ, सो हुआ, और यह ठीक है। यह करियर का हिस्सा है, जिंदगी का हिस्सा है।'

आईपीएल में प्लेऑफ की प्रबल दावेदार रहेंगी ये टीमें : अमित मिश्रा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा ने कहा है कि कोलकाता नाइटराइडर्स, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2026 के प्ले ऑफ में पहुंच सकती हैं। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार गुजरात टाइटंस को भी खिताबी दौड़ में कमजोर नहीं माना जा सकता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, केकेआर, एमआई, एसआरएच, आरसीबी और जीटी। मेरे ख?याल से इन पांच में से कोई चार टीमें प?लेऑफ में पहुंचेगी। वहीं अमित ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को खिताबी दावेदार नहीं माना है जिससे सभी को हैरानी हुई है। सीएसके पांच बार की विवेता रही है। मुंबई इंडियंस और आरसीबी ने नीलामी से पहले ही पसंदीदा खिलाड़ियों का रिटेन कर अपनी टीम मजबूत की है। वहीं अन्य टीमों ने मिनी नीलामी के जरिये टीम की ताकत बढ़ायी है। केकेआर ने कैमरन ग्रीन को रिकॉर्ड 25.2 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि सनराइजर्स ने लियाम लिविंगस?टन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा।आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी और फाइनल मुकाबला 31 मई को खेला जाएगा।

विश्वकप में खेलना सभी का सपना रहता है : सिराज

मुम्बई । अगले माह 7 फरवरी से होने वाले टी20 विश्वकप के लिए इस बार भारतीय टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को जगह नहीं मिली है। सिराज हालांकि इससे निराश नहीं हैं और उनका कहना है कि भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेगी। सिराज ने कहा कि वह भी इस टूर्नामेंट में खेलने चाहते थे क्योंकि सभी का सपना विश्वकप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में देश की ओर से खेलना रहता है। विश्वकप इस बार भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। उनका साथ अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा देंगे। सिराज ने कहा, मैंने पिछले ञ20 विश्वकप में खेला था पर इस बार अवसर नहीं मिला। एक खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सपना विश्व कप में खेलकर टीम की जीत में योगदान देना रहता है। उन्होंने कहा कि विश्कप के लिए हमारी टीम अच्छी है। वह अच्छे फार्म में भी है। जिससे उम्मीद है कि टीम टूर्नामेंट जीतेगी। वहीं सिराज ने कार्यभार प्रबंधन को भी जरुरी बताया। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान आराम दिया गया था। उन्होंने कहा, मुझे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली एकदिवसीय सीरीज से आराम दिया गया था क्योंकि मैंने गुवाहाटी में उनके खिलाफ दूसरे टेस्ट में 40 ओवर फेंके थे। मैं टीम से बाहर नहीं हुआ हूं। मैंने ऑस्ट्रेलिया में एकदिवसीय सीरीज खेली, फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुझे आराम दिया गया। उन्होंने कहा कि एक तेज गेंदबाज को पर्याप्त आराम बहुत जरूरी है। मैं लगातार टेस्ट मैच खेल रहा हूं। ऐसे में आपको तरोताजा होने के लिए आराम की जरूरत होती है।

उसेन बोल्ट का रिटायरमेंट से वापसी का मन, LA 2028 ओलंपिक्स में इस खेल में हिस्सा लेने की इच्छा जताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमैका के महान धावक और दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वाले उसेन बोल्ट ने खेल जगत को चौंकाने वाला संकेत दिया है। बोल्ट ने कहा है कि वह 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में वापसी करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार ट्रैक पर नहीं, बल्कि क्रिकेट के मैदान पर। 128 साल बाद ओलंपिक में लौट रहे क्रिकेट के साथ बोल्ट की यह इच्छा खेल प्रेमियों के बीच चर्चा का बड़ा विषय बन गई है।

क्रिकेट के साथ बोल्ट का पुराना रिश्ता

बहुत कम लोग जानते हैं कि एथलेटिक्स से पहले उसेन बोल्ट का पहला खेल प्रेम क्रिकेट था। कैरेबियन संस्कृति में पले-बढ़े बोल्ट बचपन में एक तेज गेंदबाज के रूप में पहचाने जाते थे। स्कूल के दिनों में उनके क्रिकेट कोच ने ही उन्हें ट्रैक एंड फील्ड आजमाने की सलाह दी थी, जिसने आगे चलकर खेल इतिहास को नई दिशा दे दी। हालांकि बोल्ट ने एथलेटिक्स में जो मुकाम हासिल किया, उसके बावजूद क्रिकेट के प्रति उनका लगाव कभी कम नहीं हुआ।

LA 2028 में क्रिकेट की ऐतिहासिक वापसी

क्रिकेट 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक के ज़रिये 128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक मंच पर लौटेगा। आखिरी बार यह खेल 1900 के पेरिस ओलंपिक में खेला गया था, जहां ग्रेट ब्रिटेन ने फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। LA28 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। हर टूर्नामेंट के लिए 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है, जिससे प्रत्येक देश 15 खिलाड़ियों की टीम उतार सकेगा।

'अगर कॉल आया, तो तैयार हूं'

एस्क्वायर मैगज़ीन से बातचीत में बोल्ट ने

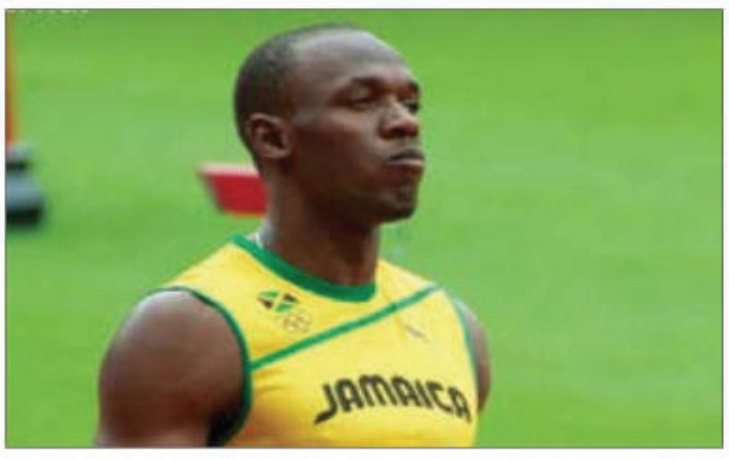

हल्के-फुल्के अंदाज में अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा कि वह पेशेवर खेल से संतुष्ट होकर संन्यास ले चुके हैं, लेकिन अगर जमैका क्रिकेट बोर्ड की ओर से उन्हें मौका मिलता है, तो वह पीछे नहीं हटेंगे।उनके इस बयान ने फैंस की कल्पनाओं को नई उड़ान दे दी है, खासकर तब जब क्रिकेट ओलंपिक में नई शुरुआत कर रहा है।

एथलेटिक्स में बोल्ट की बेमिसाल विरासत

उसेन बोल्ट को अब तक का सबसे महान स्प्रिंटर माना जाता है। उनके नाम आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक और 11 वर्ल्ड चैंपियनशिप गोल्ड हैं। उन्होंने 2008, 2012 और 2016 ओलंपिक में लगातार 100 मीटर और 200 मीटर की दौड़ में जीत दर्ज की। 2009 बर्लिन वर्ल्ड चैंपियनशिप में बनाए गए उनके 100 मीटर (9.58 सेकंड) और 200 मीटर (19.19 सेकंड) के रिकॉर्ड आज भी अटूट हैं।

क्रिकेट से जुड़े हालिया अनुभव

बोल्ट हाल के वर्षों में क्रिकेट से जुड़े रहे हैं। वह ञ20 वर्ल्ड कप 2024 के ब्रांड एंबेसडर रहे, जो अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला गया था। इसके अलावा उन्होंने भारत में युवराज सिंह और हरभजन सिंह के साथ एक दोस्ताना क्रिकेट मैच में भी हिस्सा लिया था।

फिल्म मायासभा में डरावने किरदार में नजर आएंगे जावेद जाफरी

तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे अपनी दूसरी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है मायासभा। मायासभा का खौफनाक टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म के टीजर में जावेद जाफरी का अनोखा अवतार देखने को मिला, जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। जानिए कब रिलीज हो रही है फिल्म मायासभा।

मायासभा का टीजर हुआ रिलीज

निर्देशक राही अनिल बर्वे की आगामी हॉरर फिल्म मायासभा का टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर की शुरुआत एक छोटे बच्चे से होती है, जो हेलमेट पहने सड़कों पर भटक रहा होता है। इस सीन में पीछे जावेद जाफरी की आवाज में कबीर का एक दोहा सुनाई देता है। गौर से देखें तो यह फिल्म एक तरह से सर्वाइवल हॉरर की कहानी ज्यादा लग रही है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म मायासभा 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आपको रहस्य, जादू और रोमांच देखने को मिलेगा। इस फिल्म का निर्देशन तुम्बाड के लेखक और निर्देशक राही अनिल बर्वे ने किया है। यह राही अनिल बर्वे की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में जावेद जाफरी एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे।

फिल्म मायासभा की कास्ट

इस फिल्म में जावेद जाफरी के अलावा वीना जामकर, दीपक दामले और मोहम्मद समद भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण गिरीश पटेल और अंकूर जे सिंह कर रहे हैं। शामराव भगवान यादव, चंदा यादव, केवल हांडा और मनीष हांडा इसके सह-निर्माता हैं।

ड्रीम को लेकर सीमा में नहीं बंधना चाहतीं अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा ने अब तक एक्शन, हॉरर, ड्रामा से लेकर बोल्ड रोल्स तक हर तरह की फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। लेकिन वह किसी खास डायरेक्टर, एक्टर या कहानी के पीछे नहीं भागतीं। अदा का मानना है कि सपनों को किसी भी तरह की सीमा में बांधना गलत है। इसी सोच के साथ वे एक अलग और खुला एक्टिंग फॉर्मूला अपनाती हैं, जहां वे सिर्फ अच्छे रोल्स पर फोकस करती हैं और बाकी सब यूनिवर्स पर छोड़ देती हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर और सपनों को लेकर खुलकर बात की।

खास बातचीत में उन्होंने कहा कि वह अपने ड्रीम को किसी भी तरह की लिमिट में नहीं बांधना चाहतीं। अदा का मानना है कि अगर कोई एक्टर खुद को किसी खास डायरेक्टर या स्टाइल तक सीमित कर ले, तो यह बहुत प्रतिबंधक हो जाता है।

अदा ने कहा, मेरा ड्रीम ईमानदारी से यही है कि मैं अच्छी फिल्में करूं और अच्छे रोल्स निभा पाऊं। अगर मैं ये तय कर लूं कि मैं सिर्फ इन-इन डायरेक्टर्स के साथ काम करूंगी, तो यह खुद को सीमा में बांधना होगा। मैं उन सबके साथ काम करना चाहती हूं, जिसके पास भी मेरे लिए अच्छा रोल हो। उन्होंने सुदीप्तो सेन का उदाहरण देते हुए कहा, अगर मेरा ड्रीम होता कि मैं किसी खास डायरेक्टर के साथ ही काम करूंगी, तो द केरल स्टोरी कभी नहीं होती। सुदीप्तो सेन की वो पहली बड़ी फिल्म थी, मैं उन्हें जानती भी नहीं थी। तो मेरा ड्रीम था ही नहीं कि मैं उनके साथ काम करूं, क्योंकि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं था। ड्रीम करके हम खुद को बहुत लिमिट कर लेते हैं। मैं चाहती हूं कि यूनिवर्स फैसला करे कि मैं क्या करूं, किनके साथ करूं। मेरी इच्छा बस इतनी है कि मैं अच्छे रोल्स करूं, जो ऑडियंस को पसंद आएं और मुझे करने में मजा आए।

अदा ने बताया कि दर्शक उन्हें हर तरह के किरदार में स्वीकार करते हैं, जो उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने बताया, कुछ एक्ट्रेसेज को लोग सिर्फ एक लुक या एक टाइप में स्वीकार करते हैं, लेकिन मुझे भूत से लेकर मासूम लड़की तक में स्वीकार करते हैं। 1920 में मैंने डरावना किरदार निभाया, सनफ्लावर में बोल्ड बार डांसर रोजी का, द केरल स्टोरी में भोली-भाली मासूम लड़की का और कमांडो में एक्शन रोल था। किसी ने नहीं कहा कि केरल स्टोरी वाली लड़की एक्शन क्यों कर रही है और एक एक्टर के लिए यह बहुत अच्छी चीज है। जब दर्शक आपको हर किरदार में स्वीकार करते हैं तो आगे बढ़ने और अक्सर कुछ खास करने का उत्साह मिलता है। साल 2026 के बारे में बात करते हुए अदा ने उत्साह जताया। उन्होंने कहा, साल 2026 में फैंस को बहुत कुछ नया और शानदार मिलने वाला है। बहुत सारा कुछ है। मैं अलग-अलग किरदारों से लोगों को एंटरटेन करना चाहती हूं, उन्हें रुलाना, हंसाना, एक्शन, ड्रामा, कॉमेडी, हॉरर सब कुछ देना चाहती हूं। मैं बहुत लकी हूं कि मुझे ऐसे रोल्स मिल रहे हैं।

शाहरुख की किंग और लव एंड वॉर अब दो पार्ट में रिलीज होंगी

बालीवुड के स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। इसका पहला पार्ट 2025 में रिलीज हुआ और सुपरहिट साबित हुआ। अब मेकर्स 2026 में इसका दूसरा पार्ट रिलीज करने की तैयारी में हैं। इस स्ट्रैटेजी की कामयाबी देखकर अब शाहरुख खान और संजय लीला भंसाली अपनी फिल्म को दो पार्ट में रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं। शाहरुख और भंसाली कैंप में दोनों फिल्मों की रिलीज स्ट्रैटेजी पर गंभीर चर्चा चल रही है। शाहरुख की किंग और भंसाली की लव एंड वॉर मेगा बजट फिल्में हैं। किंग में शाहरुख की बेटी सुहाना लीड रोल में हैं।

धुरंधर की जबरदस्त सफलता से प्रेरित होकर लिया फैसला

धुरंधर की सफलता से प्रेरित होकर दोनों ही मेकर्स अपनी फिल्मों को दो हिस्सों में बांटने और 6 महीने से कम गैप में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लव एंड वॉर अगस्त 2026 और जनवरी 2027 में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विकी कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। वहीं किंग सितंबर 2026 और मार्च 2027 में बड़े परदे पर दस्तक दे सकती है।

बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती हैं कृति शेट्टी

दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी कृति शेट्टी इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि टाइगर श्रॉफ ने मस्ती 4 के निर्देशक मिलाप जावेरी के साथ एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसे टी-सीरीज प्रोड्यूस करेगी। इसी फिल्म के लिए कृति का नाम सामने आ रहा है। हालांकि इन अटकलों पर कृति ने खुद प्रतिक्रिया दी है। बताया कि उन्हें बॉलीवुड से कुछ प्रस्ताव जरूर मिले हैं लेकिन अभी किसी पर मुहर नहीं लगी है। कृति के मुताबिक, मुझे कुछ ऑफर्स आए थे लेकिन कई बार डेट्स मैच नहीं होतीं। बॉलीवुड का काम करने का तरीका दक्षिण भारतीय सिनेमा से काफी अलग है। यहां आमतौर पर शेड्यूल एक साथ प्लान किया जाता है, जबकि साउथ में काम थोड़ा बिखरे हुए शेड्यूल में होता है। कृति ने कहा... मैं मुंबई में पैदा हुई और पली-बढ़ी हूं, इसलिए हमेशा से लगता था कि हिंदी में काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा रहेगा। जब मैंने एक्टिंग वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया, तो वहां कुछ अलग और नया महसूस हुआ। इस प्रोसेस ने मुझे हिंदी इंडस्ट्री में काम करने के लिए और ज्यादा उत्साहित कर दिया है।

पहली बार साथ आ रहे अल्लू अर्जुन और लोकेश कनगराज

अर्जुन की नई फिल्म की घोषणा हो गई है। अपनी 23वीं फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ आ रहे हैं। आज लोकेश कनगराज ने इस नई फिल्म की घोषणा कर दी है। इसके लिए एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया है। हालांकि, अभी फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। अभी फिल्म को एए 23 के नाम से पहचाना जाएगा। फिल्म की घोषणा करते हुए लोकेश कनगराज ने अपने एक्स वीडियो के साथ एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में लोकेश ने लिखा, ' अल्लू अर्जुन आपके साथ इस सफर की शुरुआत करने के लिए उत्सुक हूं। अल्लू अर्जुन ने भी घोषणा का वीडियो अपने इंस्टाग्राम साझा किया

है। इसे पोस्ट करते हुए एक्टर ने लिखा, धूम मचाने जा रहा हूं। बेमिसाल लोकेश कनगराज गारू के साथ इस नई यात्रा को लेकर उत्साहित हूं। आखिरकार भाई अनिरुद्ध रविचंद्र के साथ आ रहा हूं। इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।'

लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही ये सातवीं फिल्म है। पहली बार लोकेश कनगराज अल्लू अर्जुन के साथ काम कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो इससे पहले अल्लू अर्जुन जहां 'पुष्पा 2' में नजर आए थे। वहीं इन दिनों वो एटली के साथ अपनी आगामी फिल्म में व्यस्त हैं। इसे काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। इसमें दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हालांकि, अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं लोकेश कनगराज की आखिरी फिल्म साल 2025 में आई 'कुली' थी। इस फिल्म में रजनीकांत प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में रजनीकांत के अलावा आमिर खान, उपेंद्र, नागार्जुन और सोबिन शाहिर जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में थे।

कॉकटेल 2 में रोमांटिक और मॉडर्न अवतार में नजर आएंगे शाहिद

बालीवुड एक्टर शाहिद कपूर इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर लगातार चर्चा में हैं। विशाल भारद्वाज के साथ उनकी चौथी फिल्म ओ रोमियो वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने जा रही है, वहीं इसी साल कॉकटेल 2 भी दर्शकों के सामने आएगी। एक ओर जहां ओ रोमियो में शाहिद अंडरवर्ल्ड बैकड्रॉप में नजर आएंगे, वहीं कॉकटेल 2 में उनका रोमांटिक और मॉडर्न अवतार देखने को मिलेगा।

स्पेन और मुंबई में हुई फिल्म की शूटिंग

कॉकटेल 2 को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस ने दिलचस्प कहानियों का कॉकटेल तैयार कर लिया है। एक वर्ग मानता है कि यह फिल्म पहली कॉकटेल की विरासत को आगे बढ़ाएगी, जहां शाहिद का किरदार वेरोनिका की जिंदगी में पुराने

दोस्त या नए पार्टनर के रूप में एंट्री कर सकता है। वहीं दूसरा बड़ा तबका मानता है कि यह फिल्म आज के दौर के मॉडर्न रिश्तों, हुकअप कल्चर और प्यार-दोस्ती की उलझनों को दिखाया जाएगा। ओ रोमियो की शूटिंग स्पेन और मुंबई के बोरीवली स्थित बाहुबली स्टूडियो में हुई।

शाहिद अब सेलेक्टिव रिस्क लेने वाले अभिनेता बन चुके हैं

कबीर सिंह की भारी सफलता के बाद शाहिद ने खुद को एक इंटेंस, एंग्री और इमोशनली ब्रोकन किरदारों के अभिनेता के रूप में स्थापित किया। ट्रेड एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शाहिद अब सेलेक्टिव रिस्क लेने वाले अभिनेता बन चुके हैं, जो सिर्फ स्टारडम नहीं बल्कि कंटेंट और क्रिटिकल वैल्यू को भी प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, लगातार डार्क और हिंसक भूमिकाओं का चयन उनके करियर में स्टोरियो टाइप का खतरा भी पैदा कर सकता है।

फिल्म के लिए शाहिद कपूर ने किया अपना ट्रांसफॉर्मेशन

विशाल भारद्वाज की मांग के अनुरूप शाहिद ने पिछले आठ महीनों में अपनी बॉडी को पूरी तरह बदल दिया है। यह बदलाव सिर्फ लुक के लिए नहीं, बल्कि किरदार की शारीरिक और मानसिक जरूरतों के हिसाब से किया गया है। शाहिद ने पारंपरिक बॉडी-बिल्डर लुक छोड़कर लीन और वायरी फिजीक पर फोकस किया, जो एक स्ट्रीट फाइटर और अंडरवर्ल्ड कैरेक्टर को ज्यादा प्रामाणिक बनाता है। इसके लिए उन्होंने कैलिस्थेनिक्स, फंक्शनल ट्रेनिंग और हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट अपनाए।

हुसैन उस्तरा और अशरफ खान की कहानी है ओ रोमियो

इंडस्ट्री के भीतर चल रही चर्चाओं के अनुसार... ओ रोमियो 80 के दशक के मुंबई अंडरवर्ल्ड के एक बेहद क्रूर और वास्तविक अध्याय से प्रेरित मानी जा रही है। मजबूत व्यापारिक

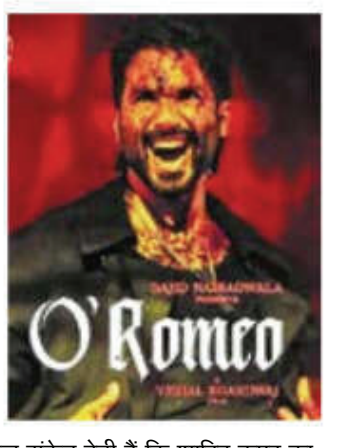

थ्योरीज संकेत देती हैं कि शाहिद कपूर का किरदार कुख्यात गैंगस्टर हुसैन उस्तरा पर बेस्ड हो सकता है, जो अपनी निडरता और दाऊद इब्राहिम से सीधी दुश्मनी के लिए जाना जाता था। टीजर में तृप्ति डिमरी की मौजूदगी को अंडरवर्ल्ड की चर्चित शख्सियत अशरफ खान के किरदार से जोड़कर देखा जा रहा है। पति की हत्या का बदला लेने के लिए सपना दीदी ने हुसैन उस्तरा के साथ हाथ मिलाया था।

राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर केमिकल टैंकर और ट्रेलर की भिड़ंत, कोई हताहत नहीं

जयपुर (एजेंसी)। पावटा कस्बे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर रविवार रात करीब 8:40 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। जयपुर से दिल्ली जा रहे केमिकल टैंकर और दूसरी लेन से आ रहा ट्रेलर अनियंत्रित होकर टकरा गया। टक्कर इतनी भयंकर थी कि टैंकर में तुरंत आग लग गई। गनीमत रही कि टैंकर चालक समय रहते वाहन से सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहा। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि दूर से ही धुएं का गुबार देखा जा सकता था। सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से जयपुर-दिल्ली मार्ग को बंद कर ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट कर दिया। केमिकल से भरे टैंकर के कारण आग बुझाना चुनौतीपूर्ण था। दमकलकर्मी फोम और पानी का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने पूरे इलाके को घेराबंदी कर राहगीरों को सुरक्षित रखा। प्राथमिकता अग्निकांड पूरी तरह नियंत्रित करना और हाईवे से वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू करना है। हादसे के कारणों की विस्तृत जांच जारी है।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में नाबालिग से गैंगरेप के आरोप में 7 गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और गैंगरेप के मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फॉम सेक्शुअल ऑफेंसेस एक्ट, 2012 (पोक्सो) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस और परिवार के सूत्रों के अनुसार, किशोरी पुरुलिया शहर की रहने वाली है। शुक्रवार शाम 17 साल की लड़की एक दोस्त के घर जाने के लिए अपने घर से निकली। जब रात होने के बाद भी वह घर नहीं लौटी, तो परिवार को उसकी चिंता होने लगी। आखिरकार, लड़की के पिता ने पुरुलिया सदर पुलिस स्टेशन में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। लड़की को उसी रात बाद में बचा लिया गया। पूछताछ के दौरान, नाबालिग लड़की ने अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया और कहा कि उसे अगवा किया गया था और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। लड़की ने पुलिस को बताया कि रात में सात-आठ लड़के उसे सड़क से उठाकर रेलवे ट्रैक के पास एक खेत में ले गए और, वहां उसके साथ गैंगरेप हुआ। इस घटना के बाद, लड़की किसी तरह घर वापस आ गई। तभी पुलिस को उसके बारे में पता चला। घटना सामने आने के तुरंत बाद लड़की को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। लड़की के बयान के आधार पर पुलिस ने कई जगहों पर तलाशी ली। रविवार को पुलिस ने कथित तौर पर शामिल सात लड़कों को गिरफ्तार किया। उनमें से एक बीमार पड़ गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाकी छह को कोर्ट में पेश किया गया।

कुलदीप सेंगर को हाईकोर्ट से झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। उन्नाव बलात्कार मामले के दोषी पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने सोमवार को पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस रविंदर दुदेजा ने कहा कि सेंगर ने 10 साल की कुल सजा में से लगभग 7.5 साल हिरासत में बिताए हैं और इस मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील पर फैसला करने में देरी हुई है, लेकिन यह देरी आंशिक रूप से सेंगर द्वारा दायर की गई कई याचिकाओं के कारण हुई है। इसलिए, कोर्ट जमानत और सजा के निलंबन की याचिका खारिज कर दी। बता दें, उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता को सेंगर के इशारे पर गिरफ्तार किया गया था और 9 अप्रैल, 2018 को पुलिस की बर्बरता के कारण हिरासत में उनकी मृत्यु हो गई थी। मार्च 2020 में दिल्ली की एक अदालत ने सेंगर और अन्य को उनकी मृत्यु के लिए दोषी ठहराया और 10 साल की कैद की सजा सुनाई।

पाकिस्तानी प्लेन जैसा गुब्बारा मिला

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू के खौर सेक्टर के पुलिस पोस्ट पल्लनवाला के अंतर्गत गांव कचरियाल में एक खुले मैदान से सोमवार को पाकिस्तानी प्लेन के आकार का गुब्बारा मिला। सफेद और हरे रंग के गुब्बारे पर पीआईए यानी पाकिस्तानी इंटरनेशनल एयरलांइस लिखा हुआ है। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले गुब्बारे को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच पूरी करने के बाद गुब्बारे को आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस पोस्ट पल्लनवाला को सौंप दिया गया है। वहीं, किश्तवाड़ में लगातार दूसरे दिन आतंकियों की तलाश जारी है। इसे ऑपरेशन त्राशी-1 नाम दिया गया है। सेना ने घने जंग और खड़ी ढलानों वाले मुश्किल इलाके के कारण रविवार देर रात ऑपरेशन रोक दिया गया था। सर्दी के मौसम के चलते यहां विजिबिलिटी भी कम हो गई थी। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच रविवार को चतरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में मुठभेड़ शुरू हुई थी। इलमें 8 जवान घायल हो गए थे। आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया था, जिसके छर्रे जवानों को लगे हैं।

महिला पुलिसकर्मियों के टॉयलेट में कैमरा छिपाया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में एक स्पेशल सब-इंस्पेक्टर ने महिला पुलिस अफसरों के टॉयलेट में हिडन कैमरा छिपा दिया। घटना का पता तब चला जब महिला पुलिसकर्मियों ने टॉयलेट में एक मोबाइल फोन देखा। जांच में पता चला कि मोबाइल आरोपी एसएसआई का था। वह टॉयलेट के अंदर महिला पुलिसकर्मियों का वीडियो बना रहा था। हैरानी की बात यह है आरोपी ने रामनाथपुरम जिले के परमकुडी में घटना को उस समय अंजाम दिया जब वहां मुख्यमंत्री एमके स्टालिन स्वतंत्रता सेनानी त्यागी इमैनुएल सेकरन के मणि मंडपम का उद्घाटन करने पहुंचे थे। सीएम के कार्यक्रम को लेकर पूरे जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में राज्य के अलग-अलग इलाकों से महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था। आरोपी एसएसआई परमकुडी नगर पुलिस थाने में तैनात था और मणि नगर चेक पोस्ट पर ड्यूटी कर रहा था।

लद्दाख में भूकंप के तेज झटके

चेन्नई (एजेंसी)। लद्दाख। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और आसपास के इलाकों में सोमवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 5.7 मापी गई है। लद्दाख के अलावा भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप का केंद्र लेह-लद्दाख क्षेत्र में जमीन से 171 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। भूकंप का केंद्र गहराई में होने के चलते कंपन विनाशकारी नहीं रहा। फिलहाल किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

टोहाना समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का किया जा रहा त्वरित समाधान: एसडीएम

लघु सचिवालय में आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनीं जनसमस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी समाधान करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य को लेकर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। एसडीएम आकाश शर्मा ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान उपस्थित नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ शिकायतों का शीघ्र निपटारा करें, ताकि आमजन को सरकारी सेवाएं सरलता और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र आईडी में आय से संबंधित त्रुटियां, नए सदस्य जोड़ने, राशन कार्ड, बिजली विभाग तथा पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतें सामने आई हैं। इन सभी मामलों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि नागरिकों को जल्द राहत मिल सके। एसडीएम ने कहा कि समाधान शिविर प्रशासन और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम हैं, जिनके जरिए विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या विभागीय समस्या हो, तो वे समाधान शिविर में पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। प्रशासन और प्रदेश सरकार नागरिकों की सहायता के लिए सदैव तत्पर है। प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन कर जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

फतेहाबाद में साइबर अपराधों पर पुलिस की सख्ती : समीक्षा बैठक में कार्ययोजना को दी गई अंतिम रूपरेखा

साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण व त्वरित कार्रवाई को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिले में लगातार सामने आ रहे साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस के नेतृत्व में पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मैस में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी थाना एवं यूनिट प्रभारी, साइबर सेल टीम तथा तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक के दौरान साइबर अपराधों के बदलते तरीकों, दर्ज मामलों की वर्तमान स्थिति तथा उनके त्वरित निस्तारण की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि साइबर अपराध से संबंधित प्रत्येक शिकायत पर तेजी, संवेदनशीलता और तकनीकी दक्षता के साथ कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ितों को समय रहते राहत प्रदान की जा सके। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि साइबर अपराध अब पारंपरिक अपराधों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो चुके हैं, क्योंकि अपराधी लगातार नई तकनीकों का दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे में पुलिस को भी आधुनिक तकनीकों, डिजिटल फॉरेंसिक, डेटा विश्लेषण और नवीन साइबर टूल्स के माध्यम से अपनी कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूत करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि साइबर मामलों में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिलेभर में साइबर जागरूकता अभियानों को और अधिक प्रभावी व व्यापक बनाया जाएगा। स्कूलों, कॉलेजों, गांवों और शहरी क्षेत्रों में जाकर लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, लिंक फ्रॉड तथा डिजिटल लेनदेन से जुड़े जोखिमों के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि आमजन स्वयं सतर्क रह सकें। सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि थानों में प्राप्त साइबर शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए साइबर सेल के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही बैंकिंग संस्थानों, टेलीकॉम कंपनियों और संबंधित एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर मामलों के शीघ्र समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार, प्रवाचक सहायक उपनिरीक्षक संदीप कुमार, साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक नत्थू राम सहित जिले के साइबर हेल्प डेस्क प्रभारी व अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने में जन-जागरूकता और पुलिस की सतर्कता सबसे बड़ा हथियार है। पुलिस आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अपराधियों तक पहुंचने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. हजारी लाल का निधन, सामाजिक जगत में शोक की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़ रेवाड़ी।

रेवाड़ी स्थित शिव कॉलोनी निवासी वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. हजारी लाल का 88 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से न केवल रेवाड़ी क्षेत्र बल्कि संपूर्ण सामाजिक जगत में गहरा शोक व्याप्त है। स्वर्गीय डॉ. हजारी लाल सरल, सौम्य और परोपकारी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाजसेवा, मानवीय मूल्यों और सामाजिक समरसता के लिए समर्पित कर दिया। जरूरतमंदों की सहायता करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था और वे अंतिम समय तक सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत और अनुकरणीय माना जाता है। उनके बड़े पुत्र शमशेर सिंह, सेवानिवृत्त सीनियर सेक्शन इंजीनियर, ने बताया कि डॉ. हजारी लाल अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। डॉ. हजारी लाल के निधन पर रेवाड़ी के सेवास्तंभ, माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्थान, चमार महासभा, आवाज फाउंडेशन हरियाणा तथा हरियाणा राजकीय अध्यापक संघ सहित अनेक सामाजिक संगठनों, गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने गहरी संवेदना व्यक्त की। सभी ने उनके सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

रेवाड़ी पुलिस ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वालो के खिलाफ चलाया स्पेशल अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । रेवाड़ी पुलिस द्वारा गत 12 जनवरी से 18 जनवरी तक ड्रिंक एंड ड्राइव, वाहन में तेज डीजे/प्रेशर हॉर्न बजाने, लेन चेंज नियमों की अवहेलना करने व बुलेट पटाखा छोड़ कर हवा बाजी करने वालों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात एवं हाईवे (हरियाणा) हरदीप सिंह दून के आदेशानुसार रेवाड़ी पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा, यातायात अनुशासन और सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी और प्रभावी कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि रेवाड़ी पुलिस ने इस सप्ताह के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 45 वाहन चालकों के चालान किए है। अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं साथ में सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक के लिए भी खतरा बन जाते है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है। पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि कुछ लोग गाड़ी में तेज़ डीजे/प्रेशर हॉर्न बजाकर ध्वनि प्रदूषण करने के साथ-साथ लोगों में दहशत और असुविधा पैदा करते है। कई बार इस तरह की हरकतें सड़क दुर्घटनाओं का कारण भी बन जाती हैं।

रक्षित सेवा संस्थान द्वारा प्रतिभा व भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित, बेटी रक्षित की 19वीं जयंती भावपूर्ण रूप से मनाई गई

बेटी के अधूरे सपनों को शिक्षा व सेवा के माध्यम से साकार कर रहा है रक्षित सेवा संस्थान

भीम प्रज्ञा न्यूज़ सूरजगढ़।

रक्षित सेवा संस्थान बलौदा के तत्वावधान में शहीद धर्मपाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बलौदा में प्रतिभा सम्मान एवं भामाशाह सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान की डायमंड आइकॉन, हम सब की लाडली बेटी रक्षित की 19वीं जयंती भावनात्मक वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माजरी आश्रम के संत कृष्ण स्वरूप महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि बेटी रक्षित की असामयिक मृत्यु से हुई क्षति की भौतिक रूप से भरपाई संभव नहीं है, लेकिन रक्षित के माता-पिता द्वारा उसकी स्मृति में शिक्षा, पर्यावरण, चिकित्सा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य वास्तव में प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चों में रक्षित के सपनों का प्रतिबिंब दिखाई देता है और इन्हीं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए रक्षित सेवा संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयास समाज के लिए अनुकरणीय हैं। इसके लिए उन्होंने विकास अधिकारी दारा सिंह एवं उनके परिवार का आभार व्यक्त किया। समारोह के दौरान रक्षित सेवा संस्थान की ओर से विद्यालय में सरस्वती प्रतिमा भेंट करने वाले भामाशाहों सहित भौतिक विकास में योगदान देने वाले दानदाताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य नेतराम यादव ने की। अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने संस्थान के सामाजिक सरोकारों की सराहना करते हुए कहा कि बेटियों को शिक्षा से जोड़कर ही समाज को सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने रक्षित सेवा संस्थान के उद्देश्यों और गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बेटी के महत्व, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक जिम्मेदारियों पर विचार व्यक्त किए। प्रमुख वक्ताओं में एडवोकेट हरेश पंवार, पूर्व प्राचार्य जे.पी. शर्मा उरीका, रामानंद शर्मा, ईश्वर सिंह ठोलिया, सिंघाना नायब तहसीलदार सत्यनारायण सेन, दयानंद सुरेश कुमार, शाहपुर के पूर्व सरपंच नरेश कुमार, सुरेश कुमार, मुकेश शर्मा, सरला पाठशाला की संचालिका अनीता पूनिया, वीडीओ बलवंत सिंह कल्याण, रणवीर सिंह भावठड़ी, सहित अनेक गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन शीशराम बरसीवाल एवं भूपेंद्र सागवा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर रक्षित सेवा संस्थान द्वारा वर्षभर में की गई गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी भी साझा की गई। संस्थान ने प्रतिवर्ष विद्यालय में 'बेटी अध्ययन दिवस' के रूप में कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प भी दोहराया। समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में बेटी के महत्व, शिक्षा के प्रसार और समाज सेवा के संदेश को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रेरित किया।

कांग्रेस असम में विधानसभा चुनावों में एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन नहीं करेगी: गोगोई

-पार्टी सत्ता में आई तो हिमंत सरमा की सभी अवैध संपत्तियों को करेंगे जब्त

डब्रूगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा है कि पार्टी राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन नहीं करेगी। गोगोई ने हाजो-सुआलकुची निर्वाचन क्षेत्र के कई स्थानों पर सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में एआईयूडीएफ की पूर्ण विफलता के बाद 2026 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनावी बाधा को पार करने की उसकी सोच पूरी तरह गलत है।

बता दें कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए किए गए गठबंधन की तर्ज पर कई अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन बनाने पर काम कर रही है और इससे बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाले एआईयूडीएफ को बाहर रखा गया है। उन्होंने 'बोर (ग्रेटर) असम' के निर्माण के लिए जनता से समर्थन की अपील की और सीएम हिमंत विसवा सरमा को राज्य का 'सबसे बेईमान' मुख्यमंत्री बताया है।

गोगोई ने दावा किया कि राज्य के छह समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने जैसे वादे पूरे न करना यह साबित करता है कि सीएम सरमा एक बेईमान' मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमंत सरमा ने अपनी पत्नी और बेटे के नाम पर अपार संपत्ति जमा कर रखी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर हिमंत सरमा सभी अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को जब्त किया जाएगा। उन्होंने बीजेपी पर धर्म, भाषा, जातीयता और समुदाय के नाम पर समाज को बांटने का आरोप लगाया।

गोगोई ने जोर देकर कहा कि ऐसी विभाजनकारी राजनीति केवल व्यक्तिगत हितों की पूर्ति करती है, विकास की नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 'शांति एवं सद्भाव का पुनर्निर्माण करेगी और गरीबों की सेवा उसी तरह करेगी जैसे पूर्व सीएम तरुण गोगोई ने की थी। राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने भी बीजेपी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि बीजपी उन वादों को पूरा करने में 'विफल' रही, जिनके आधार पर वह सत्ता में आई थी।

पलायन की 36वीं बरसी पर कश्मीरी पंडित सड़कों पर उतरे, हाईवे किया जाम

-घाटी में विस्थापित पंडितों के लिए एक अलग केंद्र शासित प्रदेश के गठन की मांग

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीरी पंडित पलायन की 36वीं बरसी के मौके पर जम्मू शहर के बाहरी इलाके जगती में देर रात हजारों कश्मीरी पंडित सड़कों पर उतर आए। पनुन कश्मीर के यूथ विंग के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया, जिसके चलते जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग जाम हो गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। उनका कहना था कि बीते तीन दशकों से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद विस्थापित कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास, सुरक्षा और राजनीतिक अधिकारों को लेकर कोई समाधान नहीं किया गया है।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में कश्मीर घाटी में विस्थापित कश्मीरी पंडितों के लिए एक अलग केंद्र शासित प्रदेश का गठन शामिल है। उनका तर्क था कि बिना अलग प्रशासनिक व्यवस्था के सुरक्षित और सम्मानजनक वापसी संभव नहीं है। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने संसद में एंटी-जेनोसाइड बिल लाने की भी मांग की। कश्मीरी पंडितों ने सरकार से आग्रह किया कि उन्हें आधिकारिक तौर पर जनसंहार के पीड़ित के रूप में मान्यता दी जाए।

राष्ट्रीय राजमार्ग जाम होने से देर रात तक यातायात बाधित रहा, जिससे सैकड़ों वाहन फंसे रहे और लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। हालात को संभालने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और सिविल प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की। हालांकि प्रदर्शनकारी इस बात पर अड़े रहे कि उपराज्यपाल खुद मौके पर पहुंचकर उनकी बात सुनें। इसी दौरान एक प्रदर्शनकारी हाईवे पर बने एक कलवर्ट से गिरकर घायल हो गया, जिसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। काफी देर बाद प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। फिलहाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया है, लेकिन कश्मीरी पंडितों की मांगों को लेकर असंतोष अब भी बरकरार है।

भारत आ रहे रूसी तेल टैंकर अचानक चीन की तरफ मुड़े, क्या अमेरिकी प्रतिबंधों का असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन के मध्य जारी जंग के बीच पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का असर अब वैश्विक तेल व्यापार में साफ नजर आने लगा है। भारत और तुर्की की ओर जा रहे कई रूसी तेल टैंकर अब अपना रुख चीन की तरफ मोड़ते दिख रहे हैं। जानकारों का मानना है कि यह बदलाव अमेरिका और यूरोपीय संघ के सख्त प्रतिबंधों के डर और बढ़ती अनिश्चितता का नतीजा हो सकता है।

जानकारी के अनुसार हाल ही में पश्चिमी तुर्की के इजमित बंदरगाह पर पनामा के झंडे वाले टैंकर बेला-6 ने करीब एक लाख टन रूसी कच्चा तेल उतारा। यह डिलीवरी तुर्की की सबसे बड़ी रिफाइनरी कंपनी तुप्रास के लिए अपवाद मानी जा रही है, क्योंकि उसने यूरोपीय संघ के 21 जनवरी से लागू नए प्रतिबंधों से पहले रूसी तेल आयात में करीब 69 प्रतिशत की कटौती कर दी थी। नए ईयू नियमों के तहत रूसी कच्चे तेल से बने उत्पादों का यूरोप में आयात प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे भारत और तुर्की जैसी रिफाइनरियों पर सीधा असर पड़ा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिकी प्रतिबंधों, ईरान और वेनेजुएला को लेकर अनिश्चितता तथा यूरोपीय संघ के नए फैसलों ने अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति को अस्थिर बना दिया है। लंदन स्थित जनरल इंडेक्स के विश्लेषक डेविड एडवर्ड का कहना है कि मौजूदा दौर असाधारण है, जहां भू-राजनीतिक उथल-पुथल सीधे ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर रही है।

इस बीच भारतीय रिफाइनरियों ने भी सतर्क रुख अपनाया है। केप्लर के विश्लेषक सुमित रितोलिया के अनुसार, भारत की प्रमुख रिफाइनरियों ने रूसी कच्चे तेल की खरीद कम कर 'स्वैच्छिक पाबंदी' लगा दी है। दिसंबर 2025 में भारत का रूसी तेल आयात 29 प्रतिशत घटकर तीन साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। इसके पीछे रूस की दिग्गज कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध भी बड़ी वजह माने जा रहे हैं।

भारत और तुर्की द्वारा छोड़े जा रहे इस अतिरिक्त रूसी तेल का एक हिस्सा चीन की ओर जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में रूस से चीन के समुद्री मार्ग से तेल आयात में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कई ऐसे टैंकर, जिन्हें भारत ने स्वीकार नहीं किया, चीनी बंदरगाहों के पास देखे गए। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन की छोटी स्वतंत्र रिफाइनरियां, जिन्हें 'टी-पॉट्स' कहा जाता है, सस्ते तेल की खरीद में माहिर हैं और जोखिम उठाने को तैयार रहती हैं। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि चीन सभी छोड़े गए रूसी तेल को नहीं खपा पाएगा। फिर भी, बढ़ती छूट और सीमित जोखिम के चलते वह बड़ा खरीदार बना रह सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com